तापमान

अधिकतम 40 .4 डिग्री
न्यूनतम 20 .9 डिग्री

हरिभूमि

जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 29 जून, 2025

12 जीएमएन के लखनपाल को बेस्ट स्टेट यूथ अवॉर्ड मिला

12 डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन के कार्य का किया निरीक्षण

खबर संक्षेप

यमुना नदी का जलस्तर बढ़ा, प्रशासन अलर्ट

करनाल। करनाल में यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। पहाड़ों में हो रही बारिश का सीधा असर निचले इलाकों पर पड़ा है। जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर है और इंद्री व घरौंडा क्षेत्र में विशेष निगरानी की जा रही है। तटबंधों की सुरक्षा के लिए भारी पत्थरों को तेजी से बिछवाया जा रहा है। नहरों से सटे इलाकों में भी जलभराव की स्थिति को देखते हुए मोबाइल पंप यूनिट्स की संख्या बढ़ाई गई है।डीसी उत्तम सिंह ने बताया कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी तैयारियां पूरी हैं। स्टाफ, मशीनरी व संसाधनों को सक्रिय कर इमरजेंसी कंट्रोल रूम से निगरानी रखी जा रही है ताकि किसी प्रकार की देरी न हो।

नशीले कैप्सूल तस्करी में दूसरा आरोपी काबू

अंबाला। थाना महेशनगर में दर्ज नशीले कैप्सूल तस्करी के मामले में सीआईए-1 ने आरोपी अंकित को गिरफ्तार किया है। पहले से गिरफ्तार आरोपी कुलवंत ने बतलाया था कि आरोपी अंकित भी इस मामले में संलिप्त है। बता दें कि सीआईए-1 को सूचना मिली थी कि आरोपी नशा तस्करी का कार्य करता है। नशा सप्लाई करने के लिए वह महेशनगर क्षेत्र नजदीक गांव खुड्डा दुखेडी टी-प्वाइंट के पास खड़ा है। पुलिस ने तुरंत नाकाबंदी कर आरोपी कुलवंत को 3360 नशीले कैप्सूल के साथ काबू किया था। अब अंकित को काबू किया है।

करनाल में किसान ने ट्रेन से कटकर दी जान

करनाल। करनाल में एक किसान द्वारा मानसिक तनाव के चलते आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। मृतक किसान कावड़ सिंह खेती-बाड़ी करता था। परिजनों का कहना है कि वह कुछ समय से मानसिक रूप से परेशान था, लेकिन उसने कभी आत्महत्या जैसा कदम उठाने की बात जाहिर नहीं की थी। सूचना मिलते ही डायल-112 और जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। रिपोर्ट के बाद शव परिजनों को सौंपा गया।

नाबालिग से दुष्कर्म का मामला, आरोपी फरार

करनाल। इंद्री थाना क्षेत्र की बयाना चौकी के अंतर्गत एक बस्ती में नाबालिग लड़की से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता की बड़ी बहन का देवर अक्सर घर आता-जाता था। 24 जून को पीड़िता घर पर अकेली थी, उसी दौरान आरोपी ने बहला-फुसलाकर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। जब परिवार को घटना की जानकारी मिली, तो तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। आरोपी फरार है और पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। पुलिस ने पोक्सो एक्ट सहित संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है।

लूट के दो आरोपी काबू चार दिन के रिमांड पर

पानीपत। पुलिस ने शराब ठेके पर लूटपाट करने वाले दो आरोपियों को सीआईए.3 की टीम ने सोदापुर के पास एक गार्डन से गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान गांव नारा निवासी सुमित व साहील के रूप में हुई है।वहीं दोनों आरोपियों को आज कोर्ट में पेश कर 4 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

यमुना में मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

करनाल। करनाल के इंद्री क्षेत्र में पश्चिमी यमुना नहर किनारे एक युवक का शव संदिग्ध हालात में मिलने से सनसनी फैल गई। शव की पहचान कुरुक्षेत्र के मोहन नगर निवासी 37 वर्षीय हरदीप के रूप में हुई है, जो 25 जून की दोपहर को घर से निकला था लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। परिजनों ने 26 जून को गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शव की पहचान के बाद पोस्टमार्टम कराया गया और फिर परिजनों को सौंपा।

13 जुलाई को भिवानी में मनाई जाएगी गुरु दक्ष प्रजापति जयंती : गंगवा

पांच हजार किमी. दूरी की सड़कों के कारपेट का काम दिसंबर तक होगा

आमजन को गुरु दक्ष प्रजापति जयंती का न्योता दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

- जयंती समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचेंगे

पीडब्ल्यूडी, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि प्रदेश में 5 हजार किलोमीटर दूरी की सड़कों को कारपेट करने के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू की जा चु की है , दिसंबर तक इस काम को पूरा कर लिया जाएगा।

इसके साथ ही 5 हजार किलोमीटर दूसरी की सड़कों के गड्ढ़ों को पीडब्ल्यूडी विभाग ने पैचवर्क करके ठीक किया है तथा 14 हजार 300 किलोमीटर दूरी ऐसा है जिसको ठेकेदार से उनको दिए गए ठेके के तहत ठीक करवाने की समय सीमा बची है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की अधिकतम सड़कें मौजूदा समय में गड्ढा मुक्त हो चुकी हैं, जो बची हैं उन्हें भी जल्द ही ठीक कर दिया जाएगा। यदि कहीं पर कोई अधिकारी सरकार के आदेशों की अनुपालना करता है और अपने काम में कोताही अपनाता है, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा शनिवार को प्रजापति-कुम्हार धर्मशाला सभा कुरुक्षेत्र में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इसके बाद उन्होंने समाज के लोगों की जनसभा को संबोधित करके 13 जुलाई को भिवानी में मनाई जाएगी वाली गुरु दक्ष प्रजापति जयंती का न्यौता दिया। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि पहले की सरकारों ने कभी जरूरतमंद, पिछड़ा वर्ग के लोगों की कोई सूध नहीं ली। बैकलॉग की सभी विभागों में खाली पद पड़े रहते थे, लेकिन भाजपा की सरकार आने के बाद बैकलॉग की सभी भर्तियों को पूरा किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने भर्तियों की दिशा और दशा को भी बदला है। अब भर्तियों में युवाओं को किसी भी नेता के पीछे खर्ची लेकर पर्ची लेने के लिए नहीं भटकना पड़ रहा है। युवा सिर्फ किताबों की पीछे लगकर पढ़ाई कर रहे हैं और उन्हें योग्यता के आधार पर बिना पर्ची बिना खर्ची के मेरिट अनुसार नौकरी मिल रही है।

कुरुक्षेत्र। जनसभा में मंचासीन पीडब्ल्यूडी, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा व अन्य।

जन-जन को जानकारी

मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि भाजपा की सरकार महापुरुषों की जयंती को सरकारी कार्यक्रम के रूप में मना रही है। इससे महापुरुषों की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने का काम किया जाता है। जिससे हर समाज अपने आप को गौरवान्वित महसूस करता है। उन्होंने कहा कि 13 जुलाई को भिवानी के समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचेंगे।

कार की टक्कर लगने से मां की मौत, पुत्र घायल

- दिल्ली निवासी कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी (करनाल)

मृतका सुमित्रा तथा उपचाराधीन महेश।

तरावड़ी के पास गांव शामगढ़ जीटी रोड पर करनाल जा रहे मां-पुत्र कार चालक की लापरवाही से हादसे का शिकार हुए। इस हादसे में 70 वर्षीय सुमित्रा पत्नी सुंदरलाल निवासी तरावड़ी की मौत हो गई और पुत्र महेश कुमार निवासी तरावड़ी गंभीर रूप से घायल हो गया।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार को तरावड़ी निवासी महेश कुमार पुत्र सुंदरलाल अपनी मां सुमित्रा के साथ दवाई लेने के लिए बाइक पर करनाल जा रहे थे। शामगढ़ पहुंचने के बाद पीछे से आ रही तेज गति आ रही कार चालक ने पीछे से टक्कर मार दी और फरार हो गया। मौके पर राहगीरों ने इस हादसे की सूचना 112 पुलिस को दी और पुलिस ने पहुंचकर घायल मां पुत्र को करनाल के अस्पताल भेजा। इस हादसे के समय पीछे से आ रहे मंडी प्रधान सुभाष गुप्ता निवासी तरावड़ी ने कार की नंबर प्लेट की फोटो लेकर पुलिस को कार ड्राइवर की जानकारी दी। हादसे में करनाल जाते समय सुमित्रा निवासी तरावड़ी की मौत हो गई।

सड़क हादसे में 7 श्रद्धालु घायल

अंबाला। ब्यास सत्संग सुनने के लिए जा रहे परिवार की पिकअप को राजपुरा के निकट तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद कार अनियंत्रित होकर हाईवे पर ही पलट गई। घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए रात को ही अंबाला कैंट के नागरिक अस्पताल में लाया गया। गीता देवी को चंडीगढ़ पीजीआई रेफर कर दिया। जबकि अन्य घायल धीन गांव के 47 वर्षीय अजय, 42 वर्षीय डिम्पल देवी, 39 वर्षीय दिनेश, 12 वर्षीय सिमरनजीत, 15 वर्षीय कनिष्का, 4 वर्षीय तनीषा को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी। घायल अजय ने बताया कि वह दो गाड़ियों में पूरे परिवार व रिश्तेदार के साथ ब्यास सत्संग सुनने के लिए जा रहे थे। अभी वह राजपुरा के पास ही पहुंचे थे कि कार ने साइड से टक्कर मार दी। इतने में उनकी गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई। राहगीरों ने मदद कर बच्चों व महिलाओं को बाहर निकाला।

सीएम फ्लाइंग ने जब्त किए 30 गैस सिलेंडर

- टीम ने दो स्थानों पर कार्रवाई कर आरोपियों के खिलाफ करवाया मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

सीएम फ्लाइंग टीम ने गांव कामी माजरा व रायपुर में दो जगह छापेमारी कर 30 घरेलू सिलेंडर पकड़े हैं। यह सिलेंडर अवैध रूप से रखे हुए थे। मामले में निरीक्षक खाद्य एवं आपूर्ति विभाग सुखचैन सिंह की शिकायत पर सदर यमुनानगर थाना में केस दर्ज कराया गया है।

शुक्रवार को सीएम फ्लाइंग की टीम को सूचना मिली कि गांव कामी माजरा निवासी शराफत ने अवैध रूप से सिलेंडर जमा कर रखे हैं। जिनका कोई दस्तावेज भी आरोपित के पास नहीं है। इस सूचना पर छापेमारी की गई तो उसके मकान से 10 सिलेंडर मिले। जांच में सामने आया कि सिलेंडर की अवैध रूप से रिफलिंग भी की जाती है।

वहीं इसके बाद टीम ने गांव रायपुर में छापेमारी की। जहां एक मकान से 20 घरेलू गैस सिलेंडर बरामद किए गए। इन सिलिंडरों को रायपुर निवासी महबूब ने अवैध रूप से रखा हुआ था। यहां से 11 सिलेंडर भरे हुए व अन्य खाली मिले हैं। यह सिलेंडर बीपीसी कंपनी व एचपी कंपनी के हैं।

विज से मिले किसान नेता चढूनी

- जल्द स्वस्थ होने की कामना और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज से शनिवार को भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढूनी ने मुलाकात की। किसान नेता चढूनी तथा उनके साथ आए अन्य किसान नेताओं ने भी विज से मुलाकात करते हुए उनका हालचाल जाना। उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना भी की।

इस दौरान ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने उनके आवास पर पहुंचे गुरनाम सिंह चढूनी के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। किसान यूनियन के अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढूनी ने ऊर्जा मंत्री अनिल विज के पांव में फ्रैक्चर की जानकारी ली। कामना की कि वह जल्द स्वस्थ होकर जनकल्याण कार्यों में अहम योगदान दें। चढूनी ने विज की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह जनसेवा में निरंतर जुटे रहते हैं जिससे समाज के विभिन्न वर्गों को निरंतर लाभ मिल भी रहा है। लोगों के सर्वांगीण विकास के लिए उनके द्वारा विभिन्न बेहतरीन कदम भी उठाए गए है। उसी रफ्तार के साथ विभिन्न कल्याणकारी व विकास कार्यों को अमलीजामा पहनाएंगे। किसान नेता का यह भी कहना था कि विज के प्रदेश में ही नहीं बल्कि देश विदेश में चाहने वालों की बहुत बड़ी संख्या है।

अंबाला से जिरकपुर व पंचकुला के लिए एसी बस सेवा शुरू

- इन बसों के संचालन से दैनिक यात्रियों को राहत मिलेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला से जिरकपुर और पंचकूला के लिए अब एसी इलेक्ट्रिक बसें शुरू हो गई हैं। इससे पहले इन बसों को ट्रायल के लिए चलाया गया था।

इससे दैनिक यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। हालांकि साहा इंड्रस्ट्रियल क्षेत्र पर यात्रियों की संख्या कम होने के कारण एक इलेक्ट्रिक बस को हटाकर दोसड़का रूट पर लगा दिया। इस समय अंबाला में 10 इलेक्ट्रिक बसें हैं। जिसमें से 4 इलेक्ट्रिक बसों को ट्रायल के तौर पर संचालन किया जा रहा है। अंबाला सिटी बस स्टैंड से सुबह 7 बजे पहली बस और साढ़े 7 बजे दूसरी बस जिरकपुर- पंचकूला के लिए संचालन करती है। इसके बाद यह बस साढ़े 7 बजे और 8 बजे अंबाला छावनी बस स्टैंड से यात्रियों को लेकर पंचकूला और जिरकपुर के लिए रवाना हो रही है। अंबाला शहर बस स्टैंड से दो इलेक्ट्रिक बसें दोसड़का के संचालन कर रही है। जो अंबाला छावनी, साहा , मुलाना होते हुए दोसड़का स्टैंड पर पहुंच रही है। यह दोनों बसें सुबह के समय 4 चक्कर और शाम के समय 4 चक्कर लगा रही हैं।

पत्नी और ससुरालियों से तंग आकर युवक ने की खुदकुशी

यमुनानगर । गांव मेहर माजरा निवासी 25 वर्षीय गोपाल ने अपनी पत्नी सीमा व ससुराल पक्ष के सदस्यों से परेशान होकर गांव फतेहगढ़ पुल के पास जहरीला पदार्थ खाकर खुदकुशी कर ली। मृतक की मां ने उसकी पत्नी व ससुरालियों पर उसे आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मृतक की पत्नी समेत ससुराल पक्ष के सात लोगों पर केस दर्जक यिा है।

गांव मेहर माजरा निवासी बाला देवी ने बताया कि उसने अपने बेटे गोपाल की शादी सीमा के साथ की थी। शादी के बाद से ही उसकी पत्नी सीमा व ससुराल पक्ष के लोग भूपेंद्र, सागर, अमरनाथ, कमलेश, तुषा व रिंकू उसे परेशान कर रहे थे। उन्होंने कई बार आरोपियों को समझने का प्रयास किया मगर आरोपी अपनी हरकतों से बाज नहीं आए। जिस कारण उसका लड़का मानसिक रूप से परेशान रहने लगा था।

सौतेले बाप ने की बेटी के साथ गंदी हरकत, गिरफ्तार

- बच्ची की मां की शिकायत पर पुलिस ने की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत शहर की एक कॉलोनी में सौतेले बाप द्वारा 11 साल की बच्ची के साथ रेप की कोशिश का मामला सामने आया है।

नशे में धुत आरोपी ने बच्ची को बहाने से अपने पास बुलाया। इसके बाद उसने नहलाने के बहाने उससे छेड़छाड़ की। दर्द से बच्ची की चीख निकली तो उसकी छोटी बहन मौके पर पहुंची। इसके बाद आरोपी ने बच्ची को छोड़ दिया। शाम को काम से लौटी मां को घटना के बारे में दो दिन बाद पता लगा। मां ने मामले की शिकायत पुलिस को दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ पॉस्को एक्ट के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पीड़िता की मां ने बताया कि उसकी पहली शादी के 1 साल बाद उसके पति की कैंसर से मौत हो गई थी, उस दौरान वह तीन माह की एक गर्भवती थी। उसकी शादी दूसरी जगह हो गई थी। दूसरी शादी के बाद वह तीन बच्चों की मां बनी। 23 जून को वह काम पर गई थी। उस शाम को पति जल्दी घर लौट आया था।

सौतेली बेटी के साथ की छेड़छाड़

- साथ सोने का बना रहा था दबाव, मना करने पर की मारपीट

यमुनानगर। महिला ने अपने पति पर सौतेली बेटी के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने महिला की शिकायत पर उसके पति के खिलाफ 10 पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। बिलासपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने महिला ने बताया कि उसका पहले पति से पांच वर्ष पहले तलाक हो गया था। पहली शादी से उसके पास एक बेटी है। जिसकी अब आयु 17 वर्ष है। इस बीच उसके परिजनों ने छछरौली थाना क्षेत्र के गांव निवासी व्यक्ति गुरपाल से उसकी दूसरी शादी करवा दी। उससे भी उसके पास एक बेटी है। कुछ समय बाद उसकी माता की मौत हो गई थी। इसके बाद उसका पिता अकेला हो गया। जिसके चलते पति व बेटी के साथ मायके में आ गई। वह 26 जून को पीजीआइ चंडीगढ़ दवाई लेने के लिए गई थी। अगले दिन घर पर आई तो बेटी ने बताया कि पिता ने रात को उस पर अपने साथ सोने का दबाव बनाया। जब उसने किया तो उसके साथ मारपीट की। उस पर कूलर फेंका। जिससे कंधे में चोट लगी। आरोपी ने उसके साथ छेड़छाड़ भी की। महिला ने मामले की सूचना महिला पुलिस थाने में दी।

आइपीएस अधिकारी स्मिति का बीमारी के चलते निधन

कैथल। हरियाणा की लेडी आइपीएस अधिकारी स्मिति चौधरी का कल महाराष्ट्र में बीमारी के कारण निधन हो गया। वह अपने पति महाराष्ट्र पुलिस में आइजी राजेश कुमार के पास नासिक में गई हुई थीं। यहीं अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। स्मिति के पति राजेश कुमार कैथल के गढ़ी गांव के रहने वाले हैं।

साल 1998 में दोनों की अरेंज मैरिज हुई थी। तब स्मिति की मां जयवंती श्योकंद कैथल की डीसी होती थीं। उस समय कैथल का डीसी आवास नहर कालोनी में होता था। उनके आवास पर ही शादी हुई थी। तब पूरे गांव को न्योता दिया गया था। बड़े अधिकारी और राजनेता भी शादी में शामिल हुए थे। शादी के बाद स्मिति और राजेश के दो बच्चे हुए। दोनों महाराष्ट्र में ही पिता के पास रह रहे हैं। बड़ी बेटी एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही है। जबकि बेटा अभी स्कूल में है।

कचरा निस्तारण में लापरवाही पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का एक्शन

नगर निगम व नपा पर 62-62 लाख का जुर्माना

- कूड़े का सही प्रबंधन न होने पर पर्यावरण को हो रहा नुकसान
- दोनों निकायों को जुर्माना भरने के लिए 15 दिन का समय दिया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

हरियाणा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीसीबी) ने नगर निगम अंबाला शहर और नगर पालिका बराड़ा पर 1.24 करोड़ रुपये का जुर्माना ठोका है।

बोर्ड की ओर से ये जुर्माना कचरा निस्तारण में लापरवाही, ठोस एवं द्रव्य कचरा प्रबंधन अधिनियम के पालन न करके लोगों की जिंदगी जोखिम में डालने पर लगाया गया है। नगर निगम व नगरपालिका के खिलाफ यह प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई बताई जा रही है । हालांकि इस जुर्माने की कार्रवाई पर निगम व नपा अधिकारी पूरी तरह से चुप हैं। बता दें कि पर्यायवरण को प्रदूषित करने पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से अंबाला शहर नगर निगम व बराड़ा नगरपालिका पर 62- 62 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। बोर्ड ने दोनों निकायों को जुर्माना भरने के लिए 15 दिन का समय दिया गया है। अगर निकायों ने इसका भुगतान तय समय पर नहीं किया तो फिर बोर्ड की ओर से कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

अंबाला शहर नगर निगम का बाहरी दृश्य।

अवैध तरीके से फेंका जा रहा कूड़ा

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेश पर नगर पालिका बराड़ा का पीसीबी की टीम ने निरीक्षण किया था। यहां सूचना मिली थी कि नगरपालिका की ओर से गैरकानूनी तरीके से कूड़ा डंप किया जा रहा है। जांच टीम को यहां ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण में कई गंभीर कमियां पाई गईं थी। इसमें कचरा वैज्ञानिक ढंग से नहीं निपटाया गया। जांच में यह बात भी सामने आई डोर टू डोर कलेक्शन का कार्य ठप पड़ा था। मौजगढ़ गांव में डंपिंग साइट बिना अनुमति गैरकानूनी तरीके से चल रही थी। आवश्यक अनुमति जैसे सीटीई, सीटीओ व पर्यावरणीय मंजूरी नहीं ली गई थी। इसी प्रकार वार्षिक रिपोर्ट दाखिल नहीं की गई। कचरे का रिकॉर्ड नहीं रखा गया। इन सब कारणों से नगर पालिका बराड़ा पर 1 अप्रैल 2020 से 31 मई 2025 तक प्रति माह 1 लाख रुपये की दर से कुल 62 लाख की अंतरिम पर्यावरण क्षतिपूर्ति लगाने का निर्णय लिया गया। जांच के दौरान ऐसी ही खामियां नगर निगम की ओर से किए जा रहे कूडा प्रबंधन में मिली थी। इसी वजह से यहां भी बोर्ड की ओर से भारी भरकम जुर्माना लगाया गया है।

दुष्कर्म के मामले में ब्लॉक समिति अध्यक्ष गिरफ्तार

- आंगनबाड़ी वर्कर से दुष्कर्म का वीडियो बना ब्लैकमेल करने का लगा था आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत में ब्लॉक समिति चेयरमैन जोनी को एक आंगनबाड़ी वर्कर से रेप, ब्लैकमेलिंग और आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पीड़ित महिला के पति की शिकायत के अनुसार जोनी ने पहले महिला से दुष्कर्म किया और उसकी वीडियो बना ली।

इसके बाद वह वीडियो के जरिए उसे लगातार ब्लैकमेल करता रहा और पैसे ऐंठता रहा। जब महिला ने पैसे देने बंद किए तो आरोपी ने वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दी। इससे मानसिक रूप से आहत होकर महिला ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। इस बारे में इंसपेक्टर नीरज का कहना है कि पुलिस ने मामले में जोनी समेत कुल 5 आरोपियों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज किया है। मुख्य आरोपी जोनी को 3 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस को दी शिकायत में पति ने बताया था कि उसकी पत्नी 7 मई 2025 को ही जेबीटी मेवात काडर में चयनित हुई थी। इसके बाद वह गांव के ही एक स्कूल के आंगनबाड़ी केंद्र में कार्यरत थी। ब्लॉक समिति चेयरमैन जोनी उसकी पत्नी पर गंदी नजर रखता था। वह उसकी पत्नी के साथ बहला-फुसला कर रेप करता रहा। इसी बीच उसने अश्लील वीडियो भी बना ली।

खबर संक्षेप

42 सड़कों के लिए 57.29 करोड़ स्वीकृतः विधायक

इंद्री। विधायक एवं चीफ व्हिप राम कुमार कश्यप ने इंद्री विधानसभा की 42 सड़कों के नवीनीकरण के लिए 57 करोड़ 29 लाख रुपए की राशि स्वीकृत करने पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इन सड़कों के नवीनीकरण से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में सुविधा होगी और विकास को गति मिलेगी। इन सभी सड़कों का कार्य सितंबर तक शुरू हो जायेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इंद्री विधानसभा क्षेत्र की जनता की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा किया है। सड़कों के नवीनीकरण से क्षेत्र के विकास में एक नया अध्याय जुड़ेगा। यह राशि क्षेत्र के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि सड़कों के चौड़ीकरण और निर्माण से क्षेत्र में व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

छात्राओं ने ली ग्राउंड सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग

कुरुक्षेत्र। प्रेरणा वृद्ध आश्रम में आयोजित 11 दिवसीय निशुल्क सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग कैंप के 9वें दिन ग्राउंड सेल्फ डिफेंस तकनीक का प्रशिक्षण दिया गया। श्रीकृष्ण मार्शल आर्टस संस्थान के मुख्य प्रशिक्षक राजेश शर्मा एडवोकेट ने जानकारी देते हुए बताया की असामाजिक तत्वों द्वारा जमीन पर गिरा कर हमला करने की स्थिति में बचाव की तकनीक का प्रशिक्षण दिया गया।

पदक विजेता खिलाड़ियों का किया स्वागत

शाहबाद। हॉकी इंडिया गोल्ड कप चेन्नई तमिलनाडु में आयोजित किया गया। इसमें शाहबाद के गुरप्रीत और मनोज ने चंडीगढ़ की तरफ से हॉकी इंडिया में हरियाणा को कांस्य पदक दिलवाने का काम किया। हरियाणा से तीन खिलाड़ियों ने गोल्ड कप में हिस्सा लिया। एक खिलाड़ी सिरसा का रहने वाला है। कोच राजकुमार ने बताया कि हॉकी इंडिया ने अब 40 की उम्र और महिलाओं के लिए 35 वर्ष की उम्र में खेलने का मौका दिया है। दोनों खिलाड़ियों का नगर के मनमोहन सिंह पेट्रोल पंप पर फूल माला डालकर स्वागत किया गया।

कुरुक्षेत्र जिला बैडमिंटन चैंपियनशिप 5 को

कुरुक्षेत्र। जिला कुरुक्षेत्र बैडमिंटन संघ द्वारा कुरुक्षेत्र जिला बैडमिंटन चैंपियनशिप-2025 का आयोजन वायर विंग्स अकैडमी, सैक्टर-7 में 5 और 6 जुलाई 2025 को किया जाएगा। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्ग एकल, युगल, मिश्रित टीमों के लिए मैच खेले जाएंगे। सभी खिलाड़ियों को हरियाणा म्युनिसिपल कॉरपोरेशन या कमेटी द्वारा प्रमाणित अपना आयु प्रमाण पत्र चैंपियनशिप प्रारंभ होने से पहले जमा करवाना होगा।

भरतपुर, सदरपुर, मुंडी-गढ़ी और गढ़ी खजूर के कार्यक्रमों में की शिरकत

विधानसभाध्यक्ष ने दी हलके को 3.77 करोड़ की 7 परियोजनाओं की सौगात

गांव गढ़ी खजूरी में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 1 करोड़ 92 लाख 39 हजार की लागत से बनने वाले 14 कमरों का शिलान्यास किया

घरौंडा। परियोजनाओं का उद्घाटन करते विधानसभाध्यक्ष हरविंद्र कल्याण।

घरौंडा। कार्यक्रम को संबोधित करते विधानसभाध्यक्ष हरविंद्र कल्याण।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| घरौंडा

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने शनिवार को घरौंडा हलके में तीन करोड़ 76 लाख 45 हजार रुपये की 7 परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इस मौके पर उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि वे खुलकर अपनी समस्याओं व मांगों को रखें, हर वाजिब कार्य को पूरा कराया जाएगा। हलके में तरक्की की मजबूत नींव रखी जा चुकी है। लंबित कार्यों को तेजी से पूरा कराया जा रहा है। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के लिए प्रशिक्षण केंद्र का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। इसे दो साल के अंदर पूरा कराने का प्रयास किया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने गांव भरतपुर में पीडब्ल्यूडी सड़क से श्मशान घाट तक के रास्ते का शिलान्यास किया। पंचायती राज विभाग द्वारा बनवाए जाने वाले 1278 मीटर लंबे इस रास्ते पर 57 लाख 25 हजार रूपये की लागत आएगी। पेवर ब्लॉक से बनाए जाने वाले इस रास्ते का निर्माण कार्य चार महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने सदरपुर गांव में उप स्वास्थ्य केंद्र का भी शिलान्यास किया। इसका निर्माण जिला परिषद की ओर से कराया जाएगा। इस पर 67 लाख 26 हजार रुपये की लागत आएगी।

विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने इस मौके पर गांव की बेटियों को कड़े परिश्रम और उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षित होकर वे अफसर बनें और गांव व राष्ट्र का नाम रौशन करें। पढ़ाई के लिए संसाधनों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। कभी किसी संसाधन की जरूरत हो तो उन्हें निसंकोच बताएं। इस मौके पर सिविल सर्जन डॉ. पूनम चौधरी, उप सिविल सर्जन डॉ. रवींद्र संधू, डॉ. मनीष, नायब तहसीलदार अरविंद यादव, जिला परिषद के कार्यकारी अभियंता प्रदीप, एसडीओ जयभगवान, मंडी बोर्ड के एक्सईएन बिजेंद्र, जेई राजन, शिक्षा परियोजना परिषद के एसडीओ वीरेंद्र सिंह, जेई निशांत राणा, बीईओ रवींद्र कुमार, स्कूल प्रिंसिपल श्रीमती प्रवीण हुड्डा आदि मौजूद रहे।

27 लाख रुपये में बनी सड़क का किया उद्घाटन

विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने मुंडी गढ़ी-गढ़ी खजूर सड़क से गांव बस्सी तक मंडी बोर्ड द्वारा बनवाई गई 220 मीटर लंबी संपर्क सड़क का उद्घाटन किया। इस पर 27 लाख रुपये खर्च हुए हैं। इसके बाद गांव गढ़ी खजूर में हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद की ओर से गांव के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 14 कमरों के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इन पर 1 करोड़ 92 लाख 39 हजार रुपये की लागत आएगी। निर्माण कार्य 18 सितंबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने इसी गांव में पंचायती राज विभाग की ओर से एसएचजी के लिए बनवाये गए हॉल और महिला चौपाल में बनाए गए कमरे का भी उद्घाटन किया। इन पर क्रमशः आठ व नौ लाख रुपये खर्च हुए हैं। 15 लाख 55 हजार रुपये की लागत से पीडब्ल्यूडी रोड से डेरा बामनी तक बनी फिरनी ड्रेन के निर्माण कार्य का उद्घाटन किया।

हलके में तेजी से हो रहे विकास कार्य

सदरपुर गांव में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि यहां उप स्वास्थ्य केंद्र बनवाने की पुरानी मांग थी जो अब पूरी होने जा रही है। उन्होंने कहा कि यमुना बैल्ट में चौपाल, स्कूल, गली, खेत के रास्ते, सामुदायिक केंद्र आदि के काफी विकास कार्य हुए हैं, अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। अधूरे कामों को तेजी से पूरा किया जा रहा है। बाढ़ से बचाव के लिए यमुना के तटबंधों को मजबूत किया जा रहा है। पंचायत ने गांव में स्कूल के लिए दो एकड़ जमीन दी है। पंचायत से कहा है कि कुछ और जमीन उपलब्ध कराई जाए ताकि भविष्य में स्कूल भवन व खेल सुविधाओं के विस्तार में कोई दिक्कत न आए।

प्रशासन की मौजूदगी में सुलझा सड़क में पाइप डालने का विवाद

इंद्री। गांव खेड़ा मे पाइप डलवाने पहुंचे प्रशासनिक अधिकारी। फोटो: हरिभूमि

- भारी संख्या मे पुलिस बल व अधिकारी रहें मौजूद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| इंद्री

इंद्री के गांव खेड़ा से जैनपुर को जाने वाली निर्माणाधीन सडक पर पानी की निकासी के लिए पाइप दबाने को लेकर चला आ रहा विवाद प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद सुलझ गया और इस सडक में पाइप दबा दिए गए। इस मौके पर सुरक्षा की दृष्टि से भारी पुलिस बल मौजूद रहा । गौरतलब है कि इस नई बनने वाली सडक के एक तरफ के खेत ऊंचे होने के कारण बारिश का पानी जमा हो रहा था जिसके चलते किसानों की फसलों को नुकसान हो रहा था। जिसे लेकर किसानों ने प्रशासन से गुहार लगाई, वहीं सड़क के दूसरी ओर के किसान पाइप दबाने को लेकर आनाकानी कर रहे थे। कुछ दिन पहले भी पाइप दबाने को लेकर प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे थे । लेकिन शनिवार को अधिकारियों की मौजूदगी मे किसानों की आपसी सहमति होने पर तीन जगहों पर पाइप दबवा दिए गए। इस बारे में जानकारी देते हुए डयूटी मजिस्ट्रेट जसबीर सिंह ने बताया कि खेड़ा से जैनपुर को जाने वाली सडक मार्किटिंग बोर्ड के अंतर्गत आती है। इस सडक पर पानी की निकासी को लेकर पाईप दबाने संबधी किसानों में रजामंदी नहीं बन रही थी। उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों की रजामंदी करवाकर पानी निकासी के लिए पाईप दबवा दिए गए है । इंद्री के गांव खेड़ा से जैनपुर को जाने वाली निर्माणाधीन सडक पर पानी की निकासी के लिए पाइप दबाने को लेकर चला आ रहा विवाद सुलझ गया। वहीं एसडीओं विजय वर्मा ने बताया कि इस नई बनने वाली सडक पर निकासी के लिए पाइप लगाने को लेकर दो पक्ष बन गए थे जिसके चलते बारिश का पानी एक साइड में जमा हो गया था लेकिन बातचीत के बाद इस मसले को सुलझा लिया गया है और निकासी के लिए पाइप दबवा दिए गए है। इस अवसर पर काफी संख्या में गांव के किसान व पुलिस कर्मचारी मौजूद रहे।

करनाल। जेसीबी से अवैध निर्माण को गिराती जिला नगर योजनाकार की टीम।

अवैध कॉलोनियों पर चला पीला पंजा, दो जगहों पर की गई बड़ी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

जिला नगर योजनाकार कार्यालय ने अवैध कॉलोनियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए कैथल रोड पर पनप रही दो अवैध कॉलोनियों में तोड़फोड़ की कार्रवाई की। पहली कॉलोनी लगभग 3.5 एकड़ में फैली हुई थी, जो गंदे नाले के पास स्थित थी। यहां तीन डीपीसी, एक डीलर कार्यालय, चारदीवारी, सीवर नेटवर्क और कच्ची सड़कों को ध्वस्त किया गया। वहीं दूसरी कॉलोनी, जो लगभग 6 एकड़ में पेट्रोल पंप के पीछे विकसित की जा रही थी, वहां भी तीन डीपीसी, छह चारदीवारियां और पक्की/कच्ची सड़कें तोड़ी गईं। इस पूरी कार्रवाई के दौरान ड्यूटी मजिस्ट्रेट, जिला नगर योजनाकार, और थाना सदर की पुलिस टीम मौके पर मौजूद रही। जिला नगर योजनाकार ने स्पष्ट कहा कि अवैध कॉलोनियों में कोई भी निर्माण कार्य न किया जाए, अन्यथा कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। साथ ही यह भी चेतावनी दी कि दोषियों के खिलाफ केस दर्ज कर उन्हें कानून के शिकंजे में लाया जाएगा।

गीता कन्या स्कूल की पूर्व छात्रा दीपिका का फेडरल बैंक में चयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

गीता कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल, कुरुक्षेत्र की पूर्व छात्रा और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की बी.कॉम. अंतिम वर्ष की छात्रा दीपिका शर्मा ने अपनी मेहनत और लगन से एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। दीपिका का चयन प्रतिष्ठित फेडरल बैंक में 8 लाख वार्षिक पैकेज पर हुआ है, जो विद्यालय एवं विश्वविद्यालय दोनों के लिए गर्व की बात है। दीपिका ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने विद्यालय और कॉलेज के शिक्षकों तथा माता-पिता के मार्गदर्शन को दिया है। उन्होंने कहा कि उनके जीवन के हर मोड़ पर शिक्षकों और परिवार का सहयोग उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता रहा। इस गौरवपूर्ण अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह कलेर, उपाध्यक्ष डॉ जितेंद्र जांगड़ा, प्रबंधक बलबीर प्रकाश, कोषाध्यक्ष सुरेश सैनी, शिक्षाविद डॉ हरि प्रकाश शर्मा, सदस्य डॉ राजेश अग्रवाल एवं सौरभ त्रिखा, महिला प्रतिनिधि अंजलि शर्मा, प्रांत प्रतिनिधि संजय चौधरी, प्राचार्या सुमन बाला तथा सभी अध्यापिकाओं ने दीपिका को इस सफलता पर हार्दिक बधाई दी और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि दीपिका की सफलता आज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा है। गीता कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल, कुरुक्षेत्र की पूर्व छात्रा और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की बी.कॉम. अंतिम वर्ष की छात्रा दीपिका शर्मा ने अपनी मेहनत और लगन से एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। विद्यालय परिवार को दीपिका पर गर्व है और सभी ने आशा जताई कि वह भविष्य में और ऊँचाइयों को छुएगी।

10 सालों से लगातार की जा रही बढ़ोतरी

बिजली दरों में वृद्धि कर जनता को लूट रही सरकार : माकपा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव रोशन लाल ने कहा कि भाजपा ने एक ही झटके में बिजली के रेट चार गुना तक बढ़ा दिए यानी जिन परिवारों को 900 रुपए या हजार रुपए तक बिल देना पड़ता था उन्हें अब 4000 से लेकर 5000 रुपये बिल आ रहे हैं। एक तरफ गर्मी का सितम, साथ में बिजली के कई-कई घंटों के काट और दूसरी तरफ महंगाई की मार। भाजपा जबसे सत्ता में आई है लोगों को बुरी तरह पीस रही है। बिजली पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं न मिलने से प्रदेश में त्राहि-त्राहि मची हुई है। उन्होने कहा कि निगम ने 75 रुपये प्रति किलो वाट फिक्स चार्ज भी इसमें जोड़ दिया है यानी 10 किलो वाट कनेक्शन पर अब हर महीने 750 रुपए अतिरिक्त देने पड़ रहे हैं। पहले बिजली की दरे स्लैब वॉइज थी यानी 50 यूनिट ऐसे ज्यादा इस्तेमाल पर 2.50 से 6:30 रुपये प्रति यूनिट खर्च होता था अब 5 किलो वाट से अधिक लोड होने पर 6.50 से 7.50 रुपये प्रति यूनिट वसूला जा रहा है। अलग से स्लैब वाइस बिजली के दामों में 20 से लेकर 40 पैसे प्रति यूनिट तक बढ़ोतरी की है। बीजेपी के राज में एक भी यूनिट बिजली उत्पादन का काम नहीं किया गया। बावजूद इसके यह सरकार 10 साल से लगातार बिजली की दरों में बढ़ोतरी करती जा रही है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव रोशन लाल ने कहा कि भाजपा ने एक ही झटके में बिजली के रेट चार गुना तक बढ़ा दिए यानी जिन परिवारों को 900 रुपए या हजार रुपए तक बिल देना पड़ता था उन्हें अब 4000 से लेकर 5000 रुपये बिल आ रहे हैं।

बिजली उपभोक्ताओं को कोई राहत नहीं

बीजेपी ने बिजली उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की राहत नहीं दी इसके विपरीत रेट बढ़ोतरी के साथ-साथ अनाप-शनाप चार्ज जोड़कर लोगों की जेब काटने में जुटी हैं। बीजेपी लोगों को बार-बार एहसास दिला रही है कि प्रदेश कि जनता ने भाजपा को वोट देकर गलती की है। बीजेपी सरकार यहीं पर नहीं रुक रही। यह सरकार पिछले दो महीनों से जरूरतमंद गरीब परिवारों के बीपीएल राशन कार्ड कट रही है जिससे गरीब लोग राशन डिपो से राशन प्राप्त करने में असमर्थ हो रहा है और यह दस्तूर लगातार जारी है और अगले महीने में भी लगभग पौने दो लाख राशन कार्ड और काटने की सरकार की योजना है।

बिजली दरों में बढ़ोतरी के विरोध में प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

तरावड़ी। तरावड़ी टी पॉइंट पर पब्लिक यूरिनल की दुर्दशा। फोटो: हरिभूमि

पर्यावरण संरक्षण समिति ने बिजली दरों में वृद्धि को लेकर सैक्टर 13 स्थित मंदिर परिसर में एक कन्वेंशन का आयोजन किया, जिसमें आमजन के आर्थिक बोझ को लेकर गंभीर चिंता जताई गई। समिति चेयरमैन एस.डी. अरोड़ा और अन्य वक्ताओं ने कहा कि 0 से 200 यूनिट तक बिजली दरों में 2 रुपये तक और 200 यूनिट से अधिक पर 7 रुपये तक की बढ़ोतरी कर दी गई है, जिससे मध्यम वर्ग का बजट बिगड़ गया है। वक्ताओं ने कहा कि जहां आम उपभोक्ता नियमित बिल जमा कर रहा है, वहीं कई निजी कॉलोनियों में लोग बिना मीटर के सबमर्सिबल पंप चला रहे हैं। फैक्ट्रियों में तार जोड़कर सीधे बिजली का दुरुपयोग हो रहा है, लेकिन बिजली निगम के अधिकारी इस पर कोई कार्रवाई नहीं करते। कन्वेंशन में सर्वसम्मति से मांग रखी गई कि बिजली दरों में की गई बढ़ोतरी को तुरंत प्रभाव से वापस लिया जाए और गरीबों-मध्यम वर्ग को राहत दी जाए।

विद्या भारती की बैठक का आयोजन

कुरुक्षेत्र। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान की केन्द्रीय कार्यकारिणी समिति, क्षेत्रीय मंत्री/संगठन मंत्री/सह-संगठन मंत्री समूह की तीन दिवसीय समूह बैठक आज विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान में शुरू हुई। बैठक की जानकारी देते हुए संस्थान के निदेशक डॉ. रामेन्द्र सिंह ने बताया कि बैठक में देशभर से 44 प्रतिभागी सहभागिता कर रहे हैं। बैठक का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। मंचासीन विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के महामंत्री देशराज शर्मा आदि रहे।

तरावड़ी में पब्लिक यूरिनल की हालत खस्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी

तरावड़ी जीटी रोड पर आम जनता के लिए नगर पालिका की ओर से लगाया गया पब्लिक यूरिनल की हालत खस्ता है। नगर पालिका द्वारा शहर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। शहर में जगह-जगह सफाई की गई, लेकिन जी टी रोड़ पर यह पब्लिक यूरिनल नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों की अनदेखी का शिकार हो रहा है। तरावड़ी टी पॉइंट से लोग करनाल पीपली की ओर जाने के लिए बस लेते हैं। अगर किसी यात्री को यूरिनल (पेशाब) जाना हो तो कहां जाए। इस स्थान पर नगर पालिका की ओर से कोई भी सार्वजनिक शौचालय नहीं है। जिससे आम जनता को परेशानी का सामना करना पड़ता है। आसपास के दुकानदार संतलाल, श्याम सुंदर, सीताराम, मोहनलाल हरीश कुमार का कहना है कि यहां पर पब्लिक शौचालय बनवाया जाए और इस पब्लिक यूरिनल की साफ सफाई करवा कर ठीक करवाया जाए।

तरावड़ी। तरावड़ी टी पॉइंट पर पब्लिक यूरिनल की दुर्दशा। फोटो: हरिभूमि

बाबा बर्फानी सेवा मंडल के सेवक रवाना

करनाल। बाबा बर्फानी सेवा मण्डल कैथल की करनाल शाखा के सदस्य श्री अमरनाथ यात्रा के दौरान बालटाल (श्रीनगर) में भक्तों की सेवा के लिए 3 जुलाई 2025 की यात्रा पर रवाना हो गए हैं। करनाल शाखा के प्रधान नीरज गुप्ता ने बताया कि 20 जून को भंडारे का पहला जत्था पहले ही स्थल पर पहुंच गया था। उन्होंने करनाल की जनता का धन्यवाद करते हुए कहा कि दानवीर राजा कर्ण की धरती पर लोगों ने खुले दिल से भंडारे के लिए सहयोग दिया है। इस मौके पर सचिव अनिल शर्मा (माटु) ने सभी सदस्यों की सेवा भावना की सराहना की। जत्था रवाना करते समय अरुण शर्मा, अश्वनी शर्मा, जसबीर जांगड़ा, प्रदीप गुप्ता, राजेन्द्र, रमेश बंसल, अशोक ठाकुर, विनोद जैन सहित कई सदस्य मौजूद रहे।

गांव लालूपुरा में यमुना नदी पर बाढ़ नियंत्रण के कार्य में जुटे दो सौ मनरेगा मजदूर

यमुना में बाढ़ को रोकने के लिए मजदूरों ने लगाए कट्टे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| घरौंडा

घरौंडा। गांव लालूपुरा में यमुना नदी बाढ़ नियंत्रण में लगे मनरेगा मजदूर। फोटो: हरिभूमि

हरियाणा विज्ञान मंच की ओर से प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर चलाए जा रहे जन अभियान में मनरेगा मजदूरों का रुझान लगातार बढ़ता ही जा रहा है। गांव प्रेम नगर से मनरेगा मेट मानसिंह व लाल सिंह के अनुरोध पर हरियाणा विज्ञान मंच के राज्य कमेटी सदस्य डॉ राजेंद्र सिंह ने गांव लालूपुरा में पीर के पास यमुना नदी पर मनरेगा मजदूरों की बैठक में भाग लिया उपरोक्त बैठक में 200 के लगभग मनरेगा मजदूरों ने भाग लिया मनरेगा मजदूर यमुना में बाढ़ को रोकने के लिए सीमेंट के खाली कट्टों में मिट्टी भर रहे थे। मानसिंह मेंट ने हरियाणा विज्ञान मंच के राज्य कमेटी सदस्य डॉक्टर राजेंद्र सिंह का स्वागत करते हुए बताया कि डॉ राजेंद्र सिंह हमारे मनरेगा मजदूरों के पास पिछले 10 साल से लगातार हमारी काम की साइट पर आ रहे हैं। डॉ राजेंद्र सिंह हमारे मनरेगा मजदूरों के जीवन में सुधार लाने के लिए हमें रोजगार के लिए बैकयार्ड पोल्ट्री बकरी पालन, मधुमक्खी पालन, खुंबी, पालन इत्यादि कार्य प्रशिक्षण ले कर शुरू करने का अनुरोध करते रहते हैं। गांव पनोड़ी से मनरेगा मेट मीना ने बताया कि उपरोक्त कार्य में 160 के लगभग महिलाएं कार्य कर रही हैं। उपस्थित कई महिलाओं ने बताया कि पुरुष मजदूरों की कम संख्या होने की वजह से ज्यादातर महिलाओं को कसी से सख्त कार्य करने में कठिनाई आती है। डॉ राजेंद्र सिंह ने बताया कि मनरेगा महिलाओं को कौशल विकास के माध्यम से महिलाओ के स्वास्थ्य योगयता व क्षमता अनुसार कार्य दिया जाना चाहिए हरियाणा विज्ञान मंच का मनरेगा का कृषि में कन्वर्जन करने का उद्देश्य महिलाओं को उनकी सुविधा अनुसार कृषि में कार्य दिलाना है उन्होंने बताया कि पशुपालन विभाग हरियाणा भेड़ बकरी पालने का कार्य शुरू करने लिए अनुसूचित वर्ग से संबधित भेड़ बकरी पलकों को कार्य शुरू करने के लिए 90% अनुदान दे रहा है। तथा बैकयार्ड पोल्ट्री के लिए 50 चूजे निशुल्क दे रहा हैं। ग्रामीण महिलाएं मुर्गी के 50 बच्चों को घरेलू खाने के बचे हुए भोजन से पालकर 6 महीने के बाद 2500 से 3000 रूपये प्रति महीना कमा सकती हैं। जिसके लिए कृषि विज्ञान केंद्र राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान करनाल से समय-समय पर प्रशिक्षण भी दिया जाता है।

खबर संक्षेप

राजेश ने जताया भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का आभार

पानीपत। जिला कष्ट निवारण समिति का सदस्य बनाए जाने पर पूर्व मंडल किशनपुरा अध्यक्ष राजेश भारद्वाज ने भाजपा के हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडौली, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, हरियाणा के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा, शहरी विधायक प्रमोद विज व भाजपा जिला अध्यक्ष दुष्यंत भट्ट का आभार जताया है। वहीं उन्होंने भविष्य में भी पार्टी की नीति, नीयत और राष्ट्रसेवा के पथ पर अडिग रहकर कार्य करते रहने का विश्वास पार्टी को दिलाया है।

गिरफ्तारी को लेकर डीएसपी से मिले परिजन

पानीपत। उझा रोड स्थित साईं कॉलोनी में गुरुवार रात करीब साढ़े 9 बजे 12वीं पास छात्र कन्हैया की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। वारदात के पीछे एक साल पुरानी रंजिश बताई जा रही है। पुलिस ने कुछ आरोपियों को हिरासत में जरूर लिया है, लेकिन अब तक उनकी आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है। वहीं गुस्साए परिजन आज पहले चांदनी बाग थाना पहुंचे पर संतोषजनक जवाब न मिलने पर डीएसपी हेडक्वार्टर सतीश वत्स के पास पहुंचे। परिजनों ने डीएसपी से कहा कि घटना के बाद पूरा परिवार डरा हुआ है और आरोपियों से जान का खतरा बना हुआ है। उन्होंने सभी आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। डीएसपी सतीश वत्स ने भरोसा दिलाया कि जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा और मामले की निष्पक्ष जांच की जाएगी।

डाहर के पास नहर में मिला अज्ञात युवक का शव

इसराना। इसराना थाना क्षेत्र में आज सुबह एक अज्ञात युवक की लाश गांव डाहर के पास दिल्ली ब्रांच नहर में मिली है। थाना प्रभारी महीपाल सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची तथा लाश को नहर से बाहर निकाला। हीं मौके पर मौजूद लोगों से पूछताछ की गई, लेकिन मृतक का कोई सुराग नहीं मिला। पुलिस ने आसपास के गांवों में भी सूचना प्रसारित की। शव की पहचान के लिए हर संभव प्रयास किए गए लेकिन मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने एम्बुलेंस से लाश को पानीपत के सिविल अस्पताल पहुंचाया। शव की पहचान के लिए फोटो आस-पास के थानों में भेजे गए हैं। लाश को 72 घंटे तक सिविल अस्पताल में रखा जाएगा। इस दौरान किसी थाना या चौकी से लापता व्यक्ति की सूचना मिलने पर शव की पहचान की जा सकेगी।

खैर के 43 टुकड़े तीन तस्कर गिरफ्तार

यमुनानगर। वन विभाग की टीम ने गांव ताहरपुर के पास से खैर के 43 टुकड़े बरामद कर तीन खैर तस्करों के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोपियों ने मेहरनीवाला जंगल से खैर के पेड़ काटकर उन्हें छुपा कर रखा हुआ था। पुलिस ने तीनों खैर तस्करों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। वन राजिक अधिकारी कलसिया रेंज छछरौली के दिनेश पूनिया ने छछरौली पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि वह शुक्रवार शाम छह बजे टीम के साथ गश्त कर रहा था। इस दौरान उसे सूचना मिली थी कि गांव इब्राहिमपुर निवासी मीर हसन, नूरसैन व लुकमान मेहरनीवाला जंगल से खैर के पेड़ काटकर उन्हें गांव ताहरपुर के पास छुपाया हुआ है। सूचना मिलते ही उसने टीम के साथ मामले की जांच शुरू कर दी। इस दौरान उन्होंने गांव ताहरपुर के पास जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान उन्होंने तीनों आरोपियों से खैर के 43 टुकड़े बरामद किए। जिनकी बाजार में कीमत करीब 95 हजार रुपये है। पुलिस ने तीनों आरोपियों पर केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

एसडी कॉलेज में रील मेकिंग स्किल और योग कोर्स का समापन

युवाओं को कौशल युक्त करना बेरोजगारी का एक मात्र समाधान : कपिल जैन

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

एसडी पीजी कॉलेज में तीन महीने चलने वाले रील मेकिंग कोर्स और योग कोर्स का विदिवत समापन हो गया। जिसमें कॉलेज के बीए, बीएससी और बीकॉम के 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपने आप को व्यवसायिक तौर पर तैयार किया। वहीं योग कोर्स में 25 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। विद्यार्थियों को व्यावहारिक और व्यावसायिक प्रशिक्षण नोएडा से अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त फिल्म मेकर आदित्य सेठ और डॉ. अख्लाख अहमद उस्मान ने दिया।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि कपिल जैन मैनेजिंग डायरेक्टर श्री शीतल दास जैन फाउंडेशन, उनकी धर्म पत्नी ऋ तु जैन और पौती कियारा ने शिरकत की और विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट्स वितरित किये। विशिष्ट मेहमान टीपी गोयल डायरेक्टर स्कालरशिप विभाग श्री शीतल दास जैन फाउंडेशन ने प्रतिभागियों का हौंसला बढाया। मेहमानों का स्वागत कॉलेज प्रधान दिनेश गोयल, प्राचार्य डॉ. अनुपम अरोड़ा और कोर्स.कोऑर्डिनेटर डॉ. मोनिका खुराना ने पौधा रोपित गमलें भेंट करके किया। कपिल जैन ने कहा कि वर्ष 2022 में रिषभ कुमार और सुरेन्द्र कुमार के मन में भाव पैदा हुआ कि जिस तरह से उनके पिता के पास उन्हें उच्च शिक्षा ग्रहण कराने के लियें अधिक सुविधायें नहीं थी तो ऐसे कितने बच्चे होंगे जो आज के समय में उच्च सिक्षा ग्रहण करना चाहते हैं लेकिन आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण वे पढ़ नहीं पातें हैं। एसएसडीजे फाउंडेशन एक पारिवारिक ट्रस्ट है जो अपने स्वयं के फंड का उपयोग करता है और परिवार के सदस्यों द्वारा इसकी देखरेख की जाती है। समारोह में विद्यार्थियों द्वारा बनाई गयी रीलस दिखाई गयी जिसे सभी ने सराहा। डॉ.आदित्य सेठ ने कहा कि अगर हम अपनी रील्स को वायरल करना चाहते हैं तो हमें इन बातों का ध्यान रखना चाहिए। हमें ट्रेंडिंग टॉपिक्स को फॉलो करना चाहिए और हमें इन्स्टाग्राम के ट्रेंडिंग साउंड्स और टॉपिक्स पर वीडियो बनाना चाहिए। डॉ. अख्लाख अहमद उस्मान ने कहा कि रील मेकिंग कोर्स एक ऐसा ट्रेनिंग प्रोग्राम रहा। जिसमें विद्यार्थियों को शॉर्ट.फॉर्म वीडियो क्रिएशन की पूरी प्रक्रिया सिखाई गयी।

पानीपत। एसडी कालेज में अतिथियों को सम्मानित करते आयोजक। फोटो : हरिभूमि

पानीपत। थाना समालखा में पौधरोपण करते हुए डीएसपी नरेंद्र कादियान।

डीएसपी ने थाना और चौकी प्रभारियों के साथ की बैठक

पानीपत। समालखा डीएसपी नरेंद्र कादियान ने थाने का निरीक्षण कर पुलिस कर्मचारियों के साथ बैठक कर कानून व्यवस्था चाक-चौबंद रखने को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। डीएसपी कादियान नें उपमंडल थाने में आने वाले सभी पुलिस थानों व चौकी प्रभारियों के साथ बैठक कर अपराधों की रोकथाम, अपराधियों व नशा तस्करों की धरपकड़ व महिला सुरक्षा को लेकर चर्चा की। डीएसपी ने कहा कि उपमंडल सीमा क्षेत्र में नशा तस्करों की गतिविधियों पर नकेल कसें। सीमा से सटे क्षेत्रों में गश्त को बढ़ाया जाए। उन्होंने महिला सुरक्षा को लेकर भी पुलिस द्वारा किए गए प्रबंधों की समीक्षा की और छुट्टियों के बाद महिला शिक्षण संस्थानों के आसपास गश्त बढ़ाने को कहा। डीएसपी ने कहा कि वे लोगों को साइबर अपराधों बारे जागरूक करें। वहीं डीएसपी नरेंद्र कादियान ने देश में पौधारोपण के लिए चलाए जा रहे वन महोत्सव कार्यक्रम के तहत समालखा थाना परिसर में करीब 25 फलदार व फूलदार पौधे रोपतें हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर थाना प्रभारी दीपक, समालखा चौकी प्रभारी जितेंद्र आंतिल, हथवाला चौकी प्रभारी बालेश, हल्दाना चौकी प्रभारी आदि मौजूद रहे।

पानीपत। पौधागिरी अवार्ड से सम्मानित विद्यार्थियों के साथ कालेज का स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

इको क्लब के विद्यार्थी नवनीत और निशा गुप्ता पौधागिरी अवॉर्ड से सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

देशबंधु गुप्ता राजकीय महाविद्यालय के इको क्लब के एमए द्वितीय वर्ष इतिहास के छात्र नवनीत और बीए तृतीय वर्ष की छात्रा निशा गुप्ता को आरम्भ फाउंडेशन द्वारा पौधागिरी अवॉर्ड 2025 से सम्मानित किया गया। प्रिंसिपल डॉ.सुभाष चन्द्र जागलान ने कहा कि पर्यावरण के क्षेत्र में नवनीत और निशा को पौधागिरी अवॉर्ड 2025 मिलना महाविद्यालय के लिए गर्व की बात है। डॉ.जागलान ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि महाविद्यालय के विद्यार्थियों को यह अवॉर्ड इको क्लब के अध्यक्ष ग्रीनमैन सहायक प्रो.दलजीत कुमार के कुशल नेतृत्व के कारण यह सम्भव हुआ है। प्रो.दलजीत कुमार सैकड़ों विद्यार्थियों को पर्यावरण के सच्चे प्रहरी बना रहे हैं जो तारीफ के काबिल है। वहीं आरम्भ फाउंडेशन के अध्यक्ष मेहुल जैन ने कहा कि पूरा हरियाणा इको क्लब के पर्यावरण संरक्षण के निस्वार्थ कार्यो को देख रहा है। ग्रीनमैन प्रो.दलजीत कुमार ने नवनीत और निशा गुप्ता को बधाई देते हुए आरम्भ फाउंडेशन के आभार व्यक्त किया। इस दौरान डॉ.दलजीत सिंह, डॉ.पूजा, डॉ.सीमा, डॉ.तकदीर सिंह, डॉ.ज्योति, अमित सिंघला, रविन्द्र व वीरेंद्र आदि मौजूद रहे।

ब्रह्माकुमारीज के जुलाई के कार्यक्रमों की सूची जारी

पानीपत। जुलाई माह में ब्रह्माकुमारीज द्वारा आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की सूची जारी कर दी गई है। जिसके अनुसार 3 व 5 जुलाई को ज्ञान मानसरोवर थिराना में बीके तपस्वी कुमारों की योग भट्टी रहेगी। जिसमें देश भर से कुमार पधारेंगे। वहीं 6 जुलाई को सेक्टर 12 स्थित ओम शांति भवन में सांय 5:30 बजे भव्य आध्यात्मिक कार्यक्रम होगा। इसके अलावा 17 से 21 जुलाई एनडीएस न्यू डायट सिस्टम कार्यक्रम ज्ञान मानसरोवर में चलेगा। जबकि 26 जुलाई को आदर्श बीके शिक्षिकाओं के लिए मेडिटेशन रिट्रीट ज्ञान मानसरोवर में रहेगा। जिसको माउंट आबू से पधारे राजयोगिनी बीके शीलू दीदी कराएंगे। वहीं 27 जुलाई को विराट संत सम्मेलन ज्ञान मानसरोवर में होगा। जिसमें अनेक महामंडलेश्वर व संत आदि और माउंट आबू से राजयोगी बीके रामनाथ भाई हेड ऑफ रिलिजियस विंग पधार रहे हैं।

पानीपत। व्यास पूजा को लेकर श्री कृष्ण कृपा गीता समिति की बैठक में मौजूदगी। फोटो : हरिभूमि

व्यास पूजा को लेकर श्री कृष्ण कृपा गीता समिति की बैठक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

श्री कृष्ण कृपा धाम सुखदेव नगर मंदिर प्रांगण में श्री कृष्ण कृपा जिओ गीता सेवा समिति की बैठक हुई। जिसमें समिति के पदाधिकारीगण एवं सदस्य गण तथा महिला मंडल ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य 9 जुलाई को होने वाली गुरु पूर्णिमा पर व्यास पूजा थी। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज जी के सानिध्य में व्यास पूजा का आयोजन श्याम बाग में प्रातः 6 बजे से किया जाएगा। व्यास पूजा के अंतर्गत बैठक में भोजन व्यवस्था, साज सजा, प्रसादम, बैठने की व्यवस्था, मंच की सज्जा व मंदिर की व्यवस्था आदि पर विचार किया गया। इस अवसर पर समिति के प्रधान चंद्रशेखर शर्मा, सचिव सुनील ग्रोवर, अंकुश बंसल, विकास गोयल, विपिन सरदाना, अनिल मदान, गुलशन चुघ, सुरेश शर्मा, राजू शर्मा, राज झांब, नवीन बत्रा, अंशुल शर्मा एवं महिला मंडल से सुषमा वर्मा, सीमा बब्बर, अर्चना शर्मा व मीडिया प्रमुख कंवर रविंद्र सैनी आदि मौजूद रहे।

पानीपत। ट्यूबवेल के शुभारंभ पर पूजा करते सियाराम गुप्ता व रविंद्र जैन।

लायंस क्लब पानीपत ग्रेटर ने स्कूल को समर्पित किया ट्यूबवेल

पानीपत। लायंस क्लब पानीपत ग्रेटर द्वारा मेन बाजार स्थित स्टूडेंट मॉडर्न स्कूल में 450 फुट गहराई पर एक ट्यूबवेल 125000 की लागत से लगवाया है। ट्यूबवेल क्लब के एमजेएफ लायन सियाराम गुप्ता ने अपने पिता स्वर्गीय रामधन गुप्ता एवं एमजेएफ रविंद्र जैन ने अपने पिता स्वर्गीय शिवनारायण जैन की याद में समर्पित किया है। स्कूल के 450 बच्चे पीने के पानी की समस्या से जूझ रहे थे इस समस्या का समाधान करते हुए लायंस क्लब ने बच्चों के लिए पेयजल व्यवस्था की है। ट्यूबवैल का शुभारंभ विधि विधान पूर्वक पूजा पाठ के बाद किया गया। इस अवसर पर एमजेएफ सियाराम गुप्ता, एमजेएफ रविंद्र जैन, हरिमोहन गुप्ता, दीपक गर्ग, कुलदीप जैन, बृजरानी शर्मा व सनीश जैन आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

बिजली के बढ़े रेट के विरोध में इनेलो का पंचकूला में प्रदर्शन एक जुलाई को

- पानीपत से हजारों कार्यकर्ता लेंगे भाग : कुलदीप राठी

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

हरियाणा सरकार द्वारा गत माह बिजली के बढाये गये रेटों के विरोध में इनेलो द्वारा एक जुलाई को पंचकूला के सेक्टर 6 स्थित बिजली निगम के कार्यालय शक्ति भवन पर जोरदार प्रदर्शन किया जाएगा। जिसकी तैयारियों को लेकर इनेलो के जिला अध्यक्ष कुलदीप राठी ने आज सेक्टर 13-17 स्थित इनेलो जिला कार्यालय में पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में जिला के चारों हलकों पानीपत ग्रामीण, पानीपत शहरी, समालखा व इसराना से 250-250 कार्यकर्ताओं का पंचकूला में पहुंचने का लक्ष्य रखा गया। इसको लेकर चारों हलका के लिये अलग-अलग डयूटियां लगाई गई हैं।

बैठक में मनोज जौरासी, हेमराज जागलान, पानीपत शहरी जिला अध्यक्ष कपिल बुद्धिराजा, समालखा हलका प्रधान राजेश झट्टीपुर, इसराना प्रधान राजेंद्र जागलान, पानीपत ग्रामीण प्रधान शमशेर देशवाल व पानीपत शहरी हलका प्रधान अंकित गाबा, कानूनी सैल के जिला संयोजक जतिन मनोचा एडवोकेट, सलीम चौधरी, रोहित जांगडा, जसमेर भादड़ व राजरूप मच्छरोली आदि मौजूद रहे। कुलदीप राठी ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार ने महंगाई के दौर में बिजली के करीब चार गुणा रेट बढाकर जनता की जेब पर डाका डालने का काम किया है।

इनेलो द्वारा निरंतर भाजपा सरकार से बढे हुए बिजली के रेट वापस लेने की मांग की जा रही है लेकिन भाजपा सरकार जनता की आवाज को सुनने के लिये तैयार नहीं है।

इनेलो ने प्रदेश सरकार को 30 जून तक का बिजली के बढे रेटों को वापस लेने का समय दिया गया है और यदि सरकार ने बढे रेटों को वापस नहीं लिया तो इनेलो के हजारों कार्यकर्ताओं द्वारा एक जुलाई को शक्ति भवन पर विशाल प्रदर्शन किया जाएगा। राठी ने कहा कि पंचकूला प्रदर्शन की तैयारियों को लेकर पार्टी पदाधिकारियों की डयूटियां लगा दी गई है और जिला से एक हजार से ज्यादा पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता प्रदर्शन में भाग लेंगे।

पानीपत। भोडवाल माजरी में नवनिर्मित गोबर गैस प्लांट का निरीक्षण करते हुए सीईओ डॉ. किरण सिंह। फोटो : हरिभूमि

भोडवाल माजरी में नवनिर्मित गोबर गैस प्लांट का सीईओ ने किया निरीक्षण

पानीपत। जिला परिषद की कार्यकारी अधिकारी डॉ.किरण सिंह ने गत दिवस जिला परिषद और डीआरडीए द्वारा उपमंडल समालखा के गांव भोडवाल माजरी के नवनिर्मित गोबर गैस प्लांट का निरीक्षण किया गया। वहां प्लांट में तैयार हो रही गैस का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने इस प्लांट की कार्य प्रणाली का अवलोकन किया गया तथा प्लांट में बनाई गई गैस से गैस चुल्हा जलाकर देखा। जिला परिषद मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि घरों को शीघ्र ही कनेक्शन के माध्यम से गैस उपलब्ध कराई जायेगी। उन्होंने बताया कि इस प्लांट का निर्माण स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण स्कीम के तहत केन्द्र सरकार के द्वारा किया गया है तथा ग्राम पंचायत भोडवाल माजरी द्वारा भूमि उपलब्ध कराई गई है।

मतरौली पंचायत का निर्णय, खुले में शौच पर लगेगा 1000 जुर्माना

बापौली। बापौली खंड के गांव मतरौली की ग्राम पंचायत ने गांव को पूर्णतय शौच मुक्त बनाने के लिए एक एतिहासिक निर्णय लिया है। पंचायत अब खुले में शौच करने वालों पर जुर्माना लगाएगी और ऐसा करने वालों का नाम भी सार्वजनिक किया जाएगा। ताकि शर्मिंदा होकर लोग खुले में शौच ना जाएं। वहीं जिन घरों में शौचालय नहीं हैं उनके लिए सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण करवाया जाएगा। पंचायत के इस फैसले की प्रशासन ने भी सहराना की है और हर प्रकार का सहयोग देने का आश्वासन पंचायत को दिया है। बता दें कि गांव में 225 मकानों में 1900 आबादी और इसमें से 750 वोट हैं। इससे पहले पंचायत ने बेटी पैदा होने पर माता को सम्मानित करने का निर्णय लिया हुआ है। अभियान लगातार जारी है। इसके अलावा सप्ताह में एक दिन पूरी पंचायत गांव के युवाओं के साथ मिलकर गांव की गलियों की सफाई करती है। सरंपच संजय शर्मा ने बताया कि 15 दिनो सें ग्रामीणों को तीन तरह से प्रचार करके जागरूक किया जा रहा है। जिसमें मन्दिर से अलाऊसमेंट कराई गई, पंचों द्वारा अपने-अपने वार्ड के लोगों को जागरूक किया गया है। सरंपच संजय शर्मा ने बताया कि ऐसे लोगों पर निगरानी रखने के लिए 21 लोगों की टीम तैयार की है। इसमें 2 आंगनवाडी वर्कर,1 आशा वर्कर, 5 पंच,1 चौकीदार,2 नम्बरदार और 10 गांव के गणमान्य व्यक्तियों को शामिल किया गया है।

मां का हत्या आरोपी गिरफ्तार

पानीपत। पावटी गांव में मामूली घरेलू कहासुनी में अपनी मां के सिर में ईंट मारकर हत्या करने के आरोपी बेटे को थाना समालखा पुलिस ने शुक्रवार शाम को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी कपिल ने अपनी मां की ईंट से वार कर हत्या करने की वारदात को अंजाम देने बारे स्वीकारा। थाना समालखा प्रभारी सब इंस्पेक्टर दीपक ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया उसने अपनी मां बिरमला से पैसे उधार लेकर उनके साथ लगते प्लाट में नया मकान बनाया था। मां बिरमला ने उसको कहीं से ब्याज पर लाकर पैसे दिए थे। वह अब पैसे नहीं लौटा पा रहा था, पैसों को लेकर मां व भाईयों के साथ उसकी कहासुनी होने लगी थी। गत 26 जून की शाम को मां बिरमला के साथ उसकी पैसों को लेकर मामूली कहासुनी हो गई। पिता रामबीर व भाई विकास मां का साथ देने लगे। इसी बीच उसने छत पर जाकर ईंटें बरसाना शुरू कर दिया। एक ईंट सीधी मां बिरमला के सिर लगी। ईंट लगते ही वह जमीन पर गिर गई। बाद में उसकी मौत हो गई। सब इंस्पेक्टर दीपक ने बताया कि पुलिस ने आज आरोपी कपिल को न्यायालय में पेश कर उसे 2 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है।

बापौली। कुराड़ से मोहाली जाने वाली सड़क की जर्जर हालात को ब्यां करती तस्वीर। फोटो : हरिभूमि

अंतिम तिथि पास पर कुराड़ की दो सड़कों की नहीं ली जा रही सुध

हरिभूमि न्यूज ⏭बापौली

हरियाणा प्रदेश के पीडब्ल्यूडी मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि 15 जून तक प्रदेश की कोई भी सड़क टूटी हुई नहीं रहेगी। बावजूद इसके क्षेत्र के गांव कुराड़ से ड्रेन न.2 के बाईपास से होकर गांव मोहाली व पानीपत जाने वाली सड़क अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रही है। बनने के बाद से विभाग ने इसकी सुध तक नहीं ली। यही नहीं गांव से छाजपुर जाने वाली सड़क भी जर्जर हालात में है पर विभाग इस तरफ से आंखें मूंदे हुए है।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि शीघ्र ही दोनों सडक़ों को नहीं बनाया गया तो वह बीडीपीओ कार्यालय के बाहर धरने को मजबूर होंगे।

गांव कुराड़ वासी कृष्ण देशवाल, राजेंद्र देशवाल, रविन्द्र मलिक, बलबीर शर्मा, आजाद देशवाल, मुकेश देशवाल, मुकेश शर्मा, अजय शर्मा व सत्यवान भारद्वाज ने बताया कि हमारे गांव से मोहाली व छाजपुर जाने वाली सड़के टूटी पड़ी हैं। दोनों ही सड़क नाम मात्र की सडक़ हैं। जगह-जगह बड़े-बड़े खड्डे बने हुए हैं। जिसके चलते कई बार तो रात के समय बाइक सवार इनमें गिरकार घायल तक हो चुके हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि जब से यह दोनों सडक़ें बनी है उसके बाद से आज तक कभी इनकी मरम्मत तक नहीं की गई। जिसके चलते सडक़ें गड्ढों में तबदील हो गई हैं। यहां से गुजरते हुए केवल कुराड़ के ग्रामीणों को ही नहीं बल्कि धनसौली व सनौली कलां के ग्रामीणों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने पीडल्यूडी विभाग से मांग की है कि शीघ्र ही उक्त दोनों सडक़ों को बनाया जाए अन्यथा उन्हें बीडीपीओ कार्यालय पर धरना देना पड़ेगा।

ओल्ड इंडस्ट्रियल एरिया से जीटी रोड तक 55 करोड़ से बनेगा आरओबी

पानीपत। पानीपत में ट्रैफिक जाम की समस्या को कम करने की दिशा में सरकार द्वारा एक और प्रयास किया जा रहा है। आज ओल्ड इंडस्ट्रियल एरिया से जीटी रोड तक बनने जा रहे आरओबी का वर्क आर्डर जारी कर दिया गया है। पानीपत शहरी विधायक प्रमोद विज के प्रयास से इस आरओबी के निर्माण से शहर में ट्रैफिक व्यवस्था में बेहद सुधार होगा। आरओबी के निर्माण में लगभग 55 करोड़ की लागत आएगी एवं इसका निर्माण कार्य दो साल में पूर्ण होगा। इसके निर्माण से जीटी रोड से ओल्ड इंडस्ट्रियल एरिया एवं असंध रोड से लगी हुई कॉलोनी वासियों को जीटी रोड पर आने में समय की बचत होगी। साथ में दूरी भी कम होगी। तकनीकी विशेषज्ञों का कहना है कि आरओबी के निर्माण से जीटी रोड से ओल्ड इंडस्ट्रियल एरिया आने में 2 से 3 मिनट लगेंगे एवं शहर के मुख्य मार्गों एवं लाल बत्ती चौक पर ट्रैफिक जाम कम होगा। वहीं आरओबी के निर्माण के लिए वर्क आर्डर जारी होने पर शहर के उद्यमियों ने भी सराहना की है। पूर्व प्रधान विनोद ग्रोवर एवं ओल्ड इंडस्ट्रियल एरिया के प्रधान सुनील तुली का कहना है कि ओवर ब्रिज के निर्माण से ट्रैफिक कम होगा एवं व्यापार बढ़ेगा और आवागमन में समय की बचत होगी। विधायक विज द्वारा सराहनीय कार्य किया जा रहा है वे उनका आभार व्यक्त करते हैं। वहीं विधायक विज ने फ्लाइओवर के वर्क आर्डर की जानकारी देते हुए कहा कि रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ होगा एवं शहर के चहुंमुखी विकास हेतु भविष्य में और भी कार्य करते रहेंगे।

खबर संक्षेप

देसी कट्टा समेत आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना महेशनगर में शमशान घाट चंदपुरा से अवैध हथियार रखने के मामले में सीआईए-2 ने आरोपी कृष को देसी कट्टा व जिंदा रौंद सहित गिरफ्तार किया है। सीआईए-2 को सूचना मिली थी कि आरोपी अवैध हथियार के साथ घूम रहा है। वह किसी भी अप्रिय घटना को अंजाम दे सकता है। तभी पुलिस ने रेड कर आरोपी को काबू कर लिया। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस भी दर्ज किया गया है।

चोरी के मामले में आरोपित गिरफ्तार

अंबाला। थाना पड़ाव में दर्ज चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपी संजय उर्फ दत्तू को गिरफ्तार किया है। पीड़ति महिला ने 31 मई 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि गुलाब मंडी में स्थित उसके घर से गैस सिलेंडर व चांदी के सिक्के चोरी हो गए हैं। इस शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की थी।

हत्या के प्रयास का आरोपित दबोचा

अंबाला। थाना अंबाला शहर में दर्ज गला घोट कर जान से मारने की नीयत व हमला करने के मामले में पुलिस ने आरोपी रिंकू उर्फ भोला को गिरफ्तार किया है। चरखी मोहल्ला के रमिंद्र सिंह ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि आरोपी की पत्नी ने उससे कमेटी के नाम 1 लाख 35 हजार रूपये लिए हुए थे। रुपयों को लेकर वह रिंकू को बार-बार टोकता था। इसी रंजिश के लेकर आरोपी रिंकू ने उसके ऑफिस में आकर उसके सिर में वार किया। साथ ही फंदे से उसके गले को घोट दिया। इसकी वजह से वह नीचे गिर गया। बेहोशी की हालत में परिवार के सदस्यों ने उसे अस्पताल में दाखिल करवाया।

सुसराल से आ रहे युवक के साथ की मारपीट, केस

जुलाना। जुलाना क्षेत्र के पौली गांव के पास सुसराल से लौट रहे युवक के साथ चार युवकों ने लाठी डंडों से मारपीट की। शिकायत पुलिस को दी । पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रिटोली गांव निवासी अनिल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत 19 मई को वह बाइक पर सवार होकर अपनी सुसराल से लौट रहा था।

नालों की सफाई के साथ डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन के कार्य का किया निरीक्षण

सफाई का निरीक्षण करते जिला नगर आयुक्त वीरेंद्र लाठर व अन्य।

हरिभूमि न्यूज. नारायणगढ़

जिला नगर आयुक्त ने नगरपालिका अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश, कहा बरसात के सीजन में नहीं होना चाहिए जलभराव

सफाई व्यवस्था की नियमित निगरानी करें

आयुक्त ने यह भी कहा कि शहर की सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शहर की सफाई व्यवस्था की नियमित निगरानी करें और आवश्यक कार्रवाई करें। निरीक्षण के दौरान जिला नगर आयुक्त ने नालों की सफाई कार्य की प्रगति की समीक्षा की।

जिला नगर आयुक्त वीरेंद्र लाठर ने शनिवार को शहर में नालों की साफ-सफाई और डोर-टू-डोर कूड़ा उठाने के कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और शहर की स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव ओर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिला नगर आयुक्त ने कहा कि शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए नालों का नियमित रूप से निरीक्षण और सफाई करना आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नालों की सफाई के साथ-साथ जल निकासी व्यवस्था को भी मजबूत करें, ताकि मानसून के दौरान शहर में जलभराव की समस्या न हो। निरीक्षण के दौरान जिला नगर आयुक्त ने नालों की सफाई कार्य की प्रगति की समीक्षा की और सभी नालों की सफाई पूर्ण करने बारे निर्देश दिए। इसके अलावा, जिला नगर आयुक्त ने डोर-टू-डोर कूड़ा उठाने के कार्य का भी निरीक्षण किया। अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शहर के सभी क्षेत्रों में नियमित रूप से कूड़ा उठवाएं।

बंद पुलिया होने के कारण 100 एकड़ फसल डूबने के कगार पर

किसानों ने प्रशासन से लगाई पुलिया खुलवाने की गुहार

बराड़ा। बंद पड़ी पुलिया व खेतों में जमा पानी का दृश्य। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

गांव राजोखेड़ी से दादूपुर की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर स्थित पुलिया को बंद किए जाने से ग्रामीणों पर आफत टूट पड़ी है। इस क्षेत्र के दर्जनों किसान प्राकृतिक आपदा जैसी स्थिति से जूझ रहे हैं। हालात यह हैं कि लगभग 100 एकड़ से अधिक खेतों में खड़ी धान व मक्का की फसलें जलमग्न हो गई हैं। यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो पूरी फसल बर्बाद हो सकती है। किसानों की मानें तो यह पुलिया वर्षों से बरसाती पानी की निकासी का एकमात्र माध्यम रही है लेकिन हाल ही में कुछ लोगों ने अपनी जमीन की सुरक्षा के नाम पर इसे मिट्टी से बंद कर दिया। इससे पानी का बहाव पूरी तरह रुक गया। अब पूरे इलाके की जमीन तालाब का रूप ले चुकी है। किसान दिन-रात अपनी फसल बचाने में जुटे हैं।

अधिकारियों से नहीं मिल सके किसान

गांव के किसान करनैल सिंह, सोहन लाल, सोनी, अनमोल, परमजीत सैनी, बाबू राम, सुकड़ राम, लीलू राम, गुड्डू वाल्मिकी, विक्की वाल्मिकी और संजीव कुमार ने बताया कि जल निकासी रुक जाने से न केवल फसलें बर्बाद होने की कगार पर हैं बल्कि आने वाले दिनों में कीचड़ और मच्छरों की भरमार से बीमारी फैलने का भी खतरा है। शनिवार की छुट्टी के कारण किसान प्रशासनिक अधिकारियों से संपर्क नहीं कर पाए, जिससे स्थिति और बिगड़ती जा रही है। किसानों ने चेताया कि यदि समय रहते प्रशासन ने संज्ञान न लिया तो ग्रामीणों की मेहनत और पूंजी डूब जाएगी। किसानों ने प्रशासन की चुप्पी को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए जल्द से जल्द हस्तक्षेप की मांग की है।

बंद करना गलतः सरपंच

गांव के सरपंच पति दविंदर सिंह ने भी माना कि इस मार्ग पर दो-तीन पुलियां लोगों द्वारा बंद कर दी गई हैं जो पूरी तरह गलत है। उन्होंने बताया कि कुछ किसान इस संबंध में एसडीएम के पास भी गए हैं। जैसे ही आदेश मिलेगा, पुलियों को खुलवाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

फसल का बचना मुश्किल

कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि खेतों में लगातार पानी भरे रहने से पौधों की जड़ों में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है, जिससे फसलें सड़ जाती हैं। यदि अगले 24 से 48 घंटों में जल निकासी नहीं हुई, तो फसल बचाना लगभग नामुमकिन हो जाएगा। ग्रामीणों ने उपमंडल अधिकारी व खंड विकास अधिकारी से गुहार लगाई है कि वे मौके का निरीक्षण करें। तुरंत पुलिया को खुलवाकर पानी निकासी की उचित व्यवस्था करवाएं, ताकि किसानों की बची हुई फसल को बचाया जा सके।

शिविर में हिस्सा लेने वालों को सम्मानित करते हुए।

जीएमएन कॉलेज के लखनपाल को मिला बेस्ट स्टेट यूथ अवार्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला छावनी के जीएमएन कॉलेज के यूथ रेड क्रॉस सोसायटी के स्वयंसेवकों ने मनाली (हिमाचल प्रदेश) में आयोजित राज्य स्तरीय एडवेंचर शिविर में उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। यह कैंप दो चरणों में आयोजित हुआ। कॉलेज की तीन छात्राओं ने इस शिविर में स्वयंसेवक के रूप में सक्रिय भागीदारी की और वहां अपने अनुशासन, सहयोग एवं सेवा भावना का परिचय दिया। इसी अवसर पर कॉलेज की असिस्टेंट प्रोफेसर यशवी शर्मा को यूथ रेड क्रॉस के महासचिव द्वारा 'सर्वश्रेष्ठ काउंसलर पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। दो छात्र भी इस शिविर में स्वयंसेवक के रूप में शामिल हुए। इन छात्रों में से लखनपाल को उनकी उत्कृष्ट सेवा, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक सरोकारों के प्रति समर्पण हेतु 'बेस्ट स्टेट यूथ अवार्ड' से सम्मानित किया गया।कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त ने पूरी टीम को इस सफलता पर हार्दिक बधाई दी और कहाहमारे छात्र सिर्फ अकादमिक क्षेत्र में ही नहीं बल्कि सामाजिक सेवा और नेतृत्व के क्षेत्र में भी मिसाल पेश कर रहे हैं। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि कॉलेज के युवा न सिर्फ समाज के प्रति जागरूक हैं बल्कि स्वयं आगे बढ़कर सेवा कार्यों में भाग ले रहे है।

स्नैचिंग में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना सेक्टर-9 अंबाला शहर में दर्ज स्नेचिंग के मामले में पुलिस ने आरोपी सन्नी को काबू किया है। लक्ष्मी विहार के रहने वाले पुनीत ने 27 जून को शिकायत दर्ज करवाई थी कि सैनिक विहार गुरूद्वारा के पास से मोटरसाइकिल सवार आरोपी सन्नी ने मोबाइल छीन लिया। आरोपी को तुरंत ही आसपास के लोगों की मदद से पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया था। पुलिस ने शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपी को काबू किया। साथ ही वारदात में प्रयुक्त मोटरसाईकिल व मोबाइल बरामद कर लिया है।

यूनिफाइड पेंशन स्कीम का कर्मचारियों ने किया विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारायणगढ़

■ 1 अगस्त से कर्मियों को एनपीएस और यूपीएस में से कोई एक विकल्प चुनने का मौका दिया जाएगा।

भले ही प्रदेश सरकार ने केंद्र की तर्ज पर कर्मचारियों के लिए यूनिफाइड पेंशन स्कीम को 1 अगस्त 2025 से लागू करने का फैसला ले लिया है लेकिन कर्मचारियों ने इसका विरोध शुरू कर दिया है। इस बारे पुरानी पेंशन बहाली संघर्ष समिति के राज्य उपप्रधान कमलदीप हुसैनी ने कहा कि यह सरकार को कर्मचारी विरोधी है। यह सरकार और इस सरकार में बैठे लोग केवल केंद्र सरकार के नेतृत्व को खुश करने में लगे हुए हैं। बिना सोचे समझे फिर से एक ऐसी पेंशन स्कीम को लागू करना जो एनपीएस से भी घातक है। इस सरकार के केवल तानाशाही रवैये को दर्शाता है। ऐसी कोई भी स्कीम लागू करने से पहले सरकार को चाहिए की वह कर्मचारी वर्ग के नुमाइंदों को चर्चा के लिए बुलाए सार्थक एवं तर्कशील तरीके से उक्त स्कीम पर मंत्रणा और चर्चा करे। इसके बाद अगर कर्मचारी वर्ग इसे अपनाने के लिए तैयार हो तो ही लागू करे न की इस स्कीम को जबरदस्ती थोपा जाए। अगर एनपीएस व यूपीएस स्कीम इतनी ही अच्छी है तो मुख्यमंत्री ने अब तक खुद पर और मंत्रियों पर लागू क्यों नहीं की। उन्होंने कहा कि सरकार के अनुसार 1 अगस्त 2025 से कर्मचारियों को एनपीएस और यूपीएस में से कोई एक विकल्प चुनने का मौका दिया जाएगा। अगर कोई कर्मचारी एनपीएस का चयन कर लेता है तो फिर उसे दोबारा कोई मौका नहीं दिया जाएगा। कर्मचारियों को यह स्कीम भी अपने बुढ़ापे के लिए हानिकारक ही प्रतीत हो रही है। सरकार ने अब इसे कर्मचारियों पर भी थोपने का काम कर ही दिया। उन्होंने कहा कि पेंशन बहाली संघर्ष समिति इसका कड़ा विरोध करती है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी काली पट्टी बांधकर कार्य करेगा। दोपहर 4 बजे जिला सचिवालय पर प्रदर्शन कर अपना विरोध दर्ज करवाया जाएगा।

मुश्किल में प्रशासन, अब कब्जाधारकों ने भी परिवार समेत आत्महत्या करने की दी धमकी

सरपंच बोली- दो को दुकानों से कब्जा नहीं हटाया तो सरेआम चौक पर करेंगी आत्मदाह, सोशल पर जारी किया गया पोस्टर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| शहजादपुर

■ दुकानदारों के परिजन बोले-दुकानों के जरिए ही चल रही परिवार की रोजी रोटी, एसडीएम बोले-2 को हटा दिया जाएगा कब्जा, किसी को आत्मदाह करने की नहीं आएगी नौबत

गांव माजरा में महिला सरपंच के आत्मदाह की धमकी के बाद अब कब्जाधारकों ने भी पूरे परिवार के साथ आत्महत्या करने का ऐलान किया है। कब्जा धारकों का कहना है कि दुकानों की वजह से उनके परिवार की रोजी रोटी चल रही है। अगर किसी ने उन्हें उजाड़ने का प्रयास किया तो वे अपने परिवारों के साथ मौत को गले लगा लेंगे। उधर सरपंच ने कार्रवाई न होने को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्टर जारी कर दिया है। दोनों पक्षों की चेतावनी के बाद अब प्रशासन भी मुश्किल में फंसता दिख रहा है। हालांकि अधिकारी जल्द ही इस विवाद को सुलझाने की बात कह रहे हैं। दुकानदारों के कब्जे को लेकर सरपंच नेहा शर्मा द्वारा कुछ समय पहले आत्मदाह की चेतावनी को लेकर प्रशासन को एक हलफनामा दिया गया था।

एकजुट हुए सभी दुकानदार

पंचायती दुकानों पर अस्थायी रूप से कब्जा जमाए बैठे दुकानदार भी अब सरपंच नेहा शर्मा के बढ़ते दबाव की वजह से एकजुट हो गए हैं। इन दुकानदारों ने भी अब जबरन कब्जा हटाए जाने पर परिवार सहित आत्मदाह करने की चेतावनी दी है। दुकानदारों के साथ आई महिलाओं ने बताया कि उनका 20 लोगों का परिवार इन दुकानों पर निर्भर है। अगर उन्हें प्रशासन की ओर से जबरन उजाड़ा गया तो वे भी आत्मदाह करने से पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा कि अगर अगर प्रशासन ने यह दुकान हटाने की कोशिश की तो वह परिवार सहित आत्मदाह कर लेंगी। अब इस मामले में प्रशासन दोनों तरफ से फंसा हुआ नजर आ रहा है। एक तरफ तो सरपंच आत्मदाह की बात कह चुकी है। वहीं, दूसरी तरफ अब दुकानदार भी अड़ गए हैं। बता दें कि गांव माजरा में पंचायत की जमीन पर कुछ अस्थायी दुकानें हैं, सरपंच का आरोप है कि दुकानदार पिछले लंबे समय से उन्हें किराया नहीं दे रहे हैं। इसको लेकर हाल ही में डयूटी मजिस्ट्रेट सहित पुलिस बल कब्जा हटाने की कार्रवाई करने पहुंचा था लेकिन दुकानदारों ने कोर्ट का आदेश दिखाया। इसके कारण अफसर कार्रवाई किए बिना वापिस लौट आ आए। इस मामले की एसडीएम ने जांच करने के आदेश दिए हैं।

आत्मदाह की नौबत नहीं आएगी

इस मामले में महिका सरपंच नेहा शर्मा ने पोस्टर जारी भी किया है। पोस्टर में लिखा है कि शासन और प्रशासन के द्वारा कब्जेधारियों के कब्जे न हटाने से तंग आकार आत्मदाह (अग्नि प्रवेश) लिखा है। बता दें, कि दो दिन पूर्व महिला सरपंच ने प्रशासनिक अमले को यह चेतावनी दी थी कि यदि ये कब्जा नहीं हटा तो वह आत्मदाह कर लेगी। एसडीएम शिवजीत भारती के अनुसार प्रशासन द्वारा कब्जा 2 जुलाई से पहले ही हटा दिया जाएगा। आत्मदाह की नौबत नहीं आएगी।

शिक्षकों को नवीनतम शैक्षणिक रणनीतियों से करवाया गया अवगत

अंबाला। अंबाला शहर के डीएवी पब्लिक स्कूल में एक दिवसीय विषयवार कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति और सीबीएसई के दिशा-निर्देशों के अंतर्गत शिक्षकों की 24 घंटे की अनिवार्य इन-हाउस ट्रेनिंग के हिस्से के रूप में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डीएवी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस तथा डीएवी कॉलेज मैनेजिंग कमेटी के सौजन्य से किया गया। कार्यक्रम की बागडोर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. राधा रमन सूरी और डीएवी अंबाला ज़ोन के एआरओ. डॉ. विकास कोहली के मार्गदर्शन में पूरी निष्ठा के साथ संभाली गई। समन्वय का कार्य चरणजीत कौर , नीना सूरी, वनिता महाजन, भारती ने कुशलता से किया। कार्यक्रम में शिक्षकों को उनके संबंधित विषयों में प्रशिक्षित करने हेतु दक्ष व अनुभवी ट्रेनर्स को आमंत्रित किया।

लोक निर्माण मंत्री ने महाराज दक्ष प्रजापति की जयंती कार्यक्रम में पहुंचने का किया आग्रह

14300 किलोमीटर सड़कों पर बने गड्ढों को किया जा रहा दुरुस्त, 5000 किलोमीटर कंडम सड़कों की हो रही रिपेयर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

मंत्री रणबीर गंगवा का अभिनंदन करते प्रजापति समाज के पदाधिकारी।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी व लोक निर्माण (भवन एवं सडक़ें) मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि 13 को अराध्य देव महाराजा दक्ष प्रजापति की जयंती राज्य स्तरीय तौर पर भिवानी में मनाई जा रही है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। इसके अलावा कई मंत्री, विधायक व अन्य गणमान्य लोग विशेष तौर पर उपस्थित रहेंगे। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा शनिवार को लोक निर्माण विश्राम गृह में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। इससे पहले यहां पहुंचने पर अधीक्षक अभियंता लोक निर्माण विभाग हरपाल सिंह, अधीक्षक अभियंता जन स्वास्थ्य विभाग अरविंद रोहिल्ला व कार्यकर्ताओं ने कैबिनेट मंत्री को पुष्प गुच्छ व फूलमाला पहनाकर उनका अभिनंदन किया। गंगवा ने लोक निर्माण विश्राम गृह में इससे पहले कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करते हुए जयंती का निमंत्रण देते हुए उन्हें अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने के लिए आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी निरंतर संत व महापुरूषों को मान-सम्मान देने का काम कर रही है। यह जयंतियां सरकारी तौर पर राज्य स्तर पर मनाने का काम कर रही है। वर्तमान सरकार पंडित दीन दयाल उपाध्याय के मूल मंत्र के साथ अंतिम छोर में बैठे वंचित वर्ग के लिए कार्य कर रही है। युवाओं को मैरिट के आधार पर नौकरी देने का काम किया जा रहा है। उन्होंने इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि घोषणा पत्र के अनुसार जो वायदे किए गए है उसे पूरा करने का काम किया गया है। डिप्लायड शैड्यूल कास्ट में 10 प्रतिशत आरक्षण अलग से देने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रदेश में लगभग 14300 किलोमीटर सडक़ों पर जो गड्ढे थे उन्हें दुरूस्त करने का काम किया गया है। इसके साथ-साथ लगभग 5000 किलोमीटर जो सडक़ें बुरी तरह से क्षतिग्रस्त थी उन्हें भी शैड्यूल बनाकर ठीक करने का काम किया जा रहा है।

तन-मन को कर रहा बीमार
सोशल मीडिया एडिक्शन

स्पेशलः वर्ल्ड सोशल मीडिया डे 30 जून

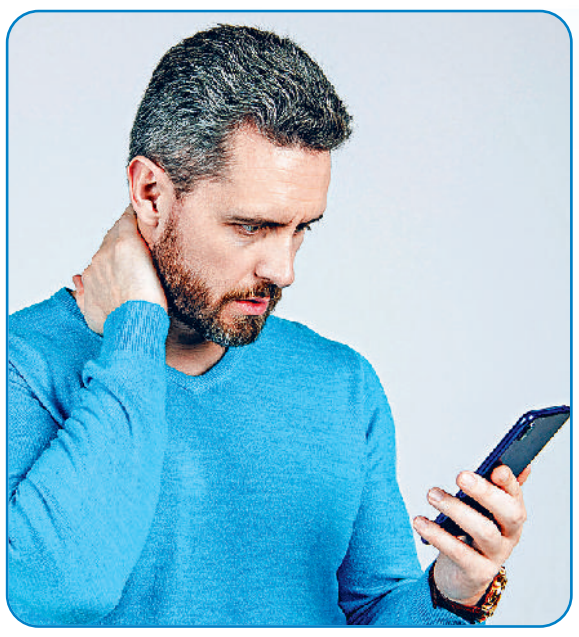

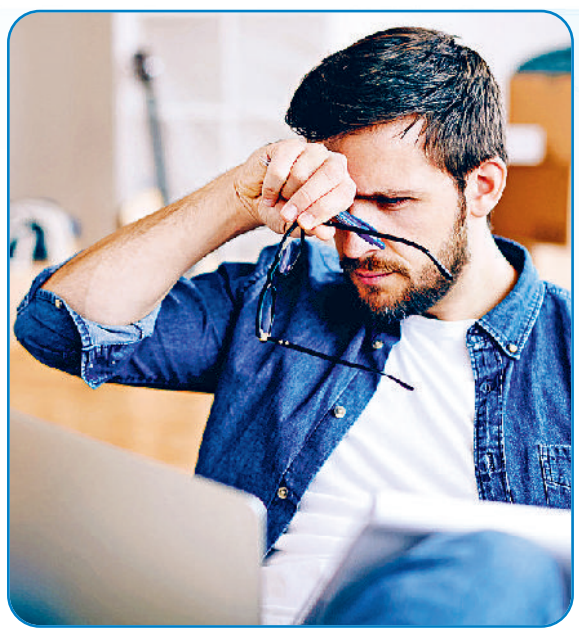

इन दिनों हर उम्र के लोग सोशल मीडिया के एडिक्शन में उलझे हुए हैं। इस एडिक्शन से घंटों गैजेट्स से चिपके रहने और गलत अंदाज में उसे ऑपरेट करने से कई तरह की फिजिकल प्रॉब्लम्स लोगों को अपनी गिरफ्त में ले रही हैं। यही नहीं इसकी लत लोगों को मानसिक रूप से भी बीमार बना रही है। वो कौन सी बीमारियां हैं और इनसे बचने के लिए क्या उपाय अपना सकते हैं, इस बारे में आपको जरूर जानना चाहिए।

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

आमतौर पर सोशल मीडिया एडिक्शन के नेगेटिव इफेक्ट्स को मानसिक सेहत से ही जोड़कर देखा जाता है। परिचित-अपरिचित लोगों की सुंदर तस्वीरों और अच्छी-बुरी सूचनाओं का मेल मन को नकारात्मक रूप से प्रभावित भी करता है। यहां ध्यान रखना जरूरी है कि सोशल मीडिया में हर तरह के कंटेंट को देखते रहना फिजिकल हेल्थ पर भी बुरा असर डालता है। शरीर के बहुत अंग स्क्रीन स्क्रॉलिंग को दिए जाने वाले समय के नेगेटिव असर को झेलते हैं।

स्किन-विजन पर दुष्प्रभाव

सोशल मीडिया अपडेट्स को देखने के लिए हरदम स्क्रीन में झांकते रहना, आंखों की रोशनी छीन रहा है। बच्चे-बड़े सभी की आईसाइट कमजोर हो रही है। आंखों में सूखापन, थकान और दूसरी समस्याएं बढ़ रही हैं। रात को सोते समय कम रोशनी में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को स्क्रॉल करना तो आंखों पर सबसे ज्यादा दुष्प्रभाव डाल रहा है। वर्चुअल वर्ल्ड में पल-पल दिखती दूसरों की अपडेट्स इतनी इंटरेस्टिंग लगती हैं कि बिना ब्रेक स्मार्ट फोन की स्क्रीन में देखते रहने की लत लग जाती है। रिसर्च फर्म 'रेडसियर' के अनुसार हमारे यहां हर यूजर हर दिन औसतन 7.3 घंटे अपने स्मार्टफोन की स्क्रीन पर बिता रहा है। इसमें से ज्यादातर टाइम सोशल मीडिया पर बीत रहा है। इस डिजिटल व्यस्तता से सिरदर्द के साथ ही आंखों में तनाव एवं थकान भी बढ़ती है। मौजूदा समय में अधिकतर यूजर्स की आंखें यह डिजिटल स्ट्रेस झेल रही हैं। अंधेरे में भी स्क्रीन स्क्रॉल करने की आदत ना केवल तेजी से नजर कमजोर करती है बल्कि आंखों के नीचे डार्क सर्कल्स का भी कारण बनती है। इतना ही नहीं कई लोगों को स्मार्ट फोन से निकलने वाली ब्लू लाइट से चेहरे पर डार्क स्पॉट और पिगमेंटेशन की समस्या हो सकती है। असल में ब्लू लाइट त्वचा के रोम-रोम में समाते हुए स्किन में खुजली, रूखापन और टैनिंग की समस्या की भी वजह बनती है।

बिगड़ता बॉडी पोश्चर

पार्क में वॉक करते हुए, बिस्तर पर आराम करते हुए, गाड़ी चलाते हुए या जिम में एक्सरसाइज करते हुए। लोग हर समय स्मार्ट गैजेट्स की स्क्रीन खंगालते रहते हैं। इसका कारण सोशल मीडिया में मौजूदगी दर्ज करवाना ही है। असल दुनिया में अनुपस्थित होने से एक ओर उस समय की जा रही एक्टिविटी पर फोकस नहीं करते तो दूसरी ओर शरीर के विशेष अंगों पर अधिक दबाव भी पड़ता है। फोन की स्क्रीन में नीचे की तरफ देखते रहने से टेक नेक की समस्या बढ़ रही है। यह हेल्थ प्रॉब्लम गर्दन में दर्द, अकड़न और सिरदर्द से जुड़ी है। साथ ही स्क्रीन स्क्रॉलिंग बैक पेन और कंधों के दर्द से जुड़ी परेशानियों की भी वजह साबित हो रही है।

आड़े-टेढ़े बॉडी पोश्चर में लोग घंटों सोशल मीडिया देखते रहते हैं। लगातार गलत शारीरिक स्थिति में बैठने से कई हड्डियों से जुड़ी समस्याएं पैदा हो रही हैं। सोशल मीडिया अपडेट्स देखते हुए लोग कुछ न कुछ लिखते भी हैं। गलत पोश्चर में टाइपिंग करने से 'टेक्स्ट नेक' की परेशानी बढ़ रही है। ध्यान रहे कि इंसानी शरीर पर अपने सिर का वजन 4.5 किलो से 5.4 किलो तक होता है। लेकिन फोन देखने के लिए गर्दन झुकाने पर ग्रैविटी के कारण सिर पर पड़ने वाला भार करीब 27 किलो तक हो जाता है। फोन को हरदम हाथ में थामे रहने से कलाई और स्क्रॉलिंग से अंगूठे में दर्द और नर्व्स में सुन्नपन की तकलीफ भी होने लगती है।

शारीरिक निष्क्रियता

हाल के वर्षों में सोशल मीडिया पर बीत रहे समय ने हर एजग्रुप के लोगों की फिजिकल एक्टिविटी कम कर दी है। इससे कम उम्र में ज्वॉइंट पेन और शरीर की जकड़न जैसी परेशानियां आ रही हैं। असल में हड्डियों के ज्वॉइंट्स में सूजन बढ़ना जकड़न और दर्द का अहम कारण होता है। फिजिकली एक्टिव ना रहना इस परेशानी को बढ़ाता है। बफेलो यूनिवर्सिटी की स्टडी के अनुसार सोशल मीडिया का हद से ज्यादा इस्तेमाल से सी-रिएक्टिव प्रोटीन का स्तर बढ़ सकता है। यह स्थिति ज्वॉइंट्स में सूजन बढ़ने से जुड़ी है। सी-रिएक्टिव प्रोटीन का स्तर बढ़ना शारीरिक अंगों में दर्द ही नहीं हृदय रोग और मधुमेह जैसी गंभीर हेल्थ इश्यूज की जड़ भी बन सकता है। देखने में आ रहा है कि पल-पल सामने आती रील्स, मीम्स देखते हुए गुजर रहा समय बेवजह की व्यस्तता का कारण बन गया है। इसके कारण

लोगों में मोटापा भी बढ़ रहा है। शारीरिक छवि के मोर्चे पर सोशल मीडिया में दिखती तस्वीरों और वीडियोज के कारण बच्चों से लेकर बड़ों तक, अपने ही शरीर की बनावट के प्रति नापसंदगी की सोच भी आ रही है। ऐसे में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर बीत रहे समय को सीमित करना आवश्यक है। साथ ही समय-समय पर ब्रेक लेना और स्मार्ट गैजेट्स इस्तेमाल करते हुए बॉडी पोश्चर को सही रखना भी अहम है। *

बिगड़ रही मानसिक सेहत

सोशल मीडिया एडिक्शन का हमारी मेंटल हेल्थ पर भी बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है। इससे स्ट्रेस, डिप्रेशन, एंग्जाइटी और चिड़चिड़ेपन की समस्याएं लोगों में काफी बढ़ने लगी हैं। लोग घर में रहते हुए भी एक दूसरे से कम बात करते हैं। सोशल इंटरेक्शन कम होता जा रहा है। अपनी रियल लाइफ के बजाय वर्चुअल लाइफ को इंप्रेसिव बनाने के ज्यादा प्रयास किए जाते हैं। इससे स्ट्रेस का स्तर बढ़ता है। ऐसे में सोशल मीडिया का कंट्रोल्ड यूज करना मेंटल हेल्थ के लिए भी बहुत जरूरी है।

टेक्नोबिहेवियर
नौशाबा परवीन

सोशल मीडिया यूजर्स
एटिकेट्स का रखें ध्यान

लगभग दो दशक की अपनी विकास यात्रा में सोशल मीडिया ने समाज के बहुत बड़े वर्ग को प्रभावित किया है। लेकिन इसके पॉजिटिव यूज के साथ जमकर मिसयूज भी किया जाता है। इसके एटिकेट्स के बारे में न केवल आपको पता होना चाहिए, उसे फॉलो भी करना चाहिए।

इस बात में कोई संदेह नहीं कि सोशल मीडिया ने लोगों के परिवार, दोस्तों और दुनिया के साथ बातचीत, संवाद और साझा करने के तरीकों को नए सिरे से परिभाषित किया है। हमारे जीवन में सोशल मीडिया के महत्व का अंदाजा दो मुख्य बातों से लगाया जा सकता है। एक, संकोची स्वभाव के जो लोग महफिलों में कुछ कह नहीं पाते थे, वह भी सोशल मीडिया पर खुलकर अपने विचार रखते हैं बल्कि अपनी हर बात कह लेते हैं, क्योंकि यह माध्यम 'पर्दे के पीछे' से भी अपने विचार (अच्छे या बुरे) व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है। दूसरा यह कि सोशल मीडिया के जरिए राजनीतिक दलों से लेकर आम आदमी तक लोगों को इंफ्लुएंस (प्रभावित) करने का प्रयास करते हैं। इस वजह से इंफ्लुएंसर्स की एक नई जमात खड़ी हो गई है, विशेषकर इसलिए कि सोशल मीडिया, कंटेंट क्रिएटर्स को अच्छा पैसा कमाने का मौका भी देता है। इन महत्व के चलते मां दिवस, पिता दिवस आदि की तरह हर साल 30 जून को सोशल मीडिया दिवस भी मनाया जाने लगा है, जिसकी शुरुआत 2010 में मेंशेबल ने की थी।

ऐसे होता गया पॉपुलरः सोशल मीडिया के पॉपुलर होने का सिलसिला 2002 में फ्रेंडस्टर और 2003 में माईस्पेस के लांच होने से शुरू हुआ और इसके बाद 2004 में सोशल मीडिया के सबसे पॉपुलर प्लेटफॉर्म फेसबुक की स्थापना हुई। ट्विटर (जो अब एक्स हो गया है) ने हमें संक्षिप्त होने के लिए प्रोत्साहित किया कि 140 से कम अक्षरों में ही अपने विचार व्यक्त करने हैं। जिसे बाद में बढ़ाकर 280 कर दिया गया। इंस्टाग्राम और फ्लिकर ने ऐसी इमेजरी के जरिए खुद को व्यक्त करने के लिए प्रेरित किया, जिसे हम संभाल सकते हैं। अगर वीडियो की बात करें तो टिक-टॉक और यू-ट्यूब मौजूद हैं। अभिव्यक्ति के लिए जब इतने मंच हों तो सोशल मीडिया दिवस मनाना आसान हो जाता है कि अपने पसंदीदा प्लेटफॉर्म पर कुछ पोस्ट किया जाए, मीम शेयर किए जाएं या किसी ऐसे व्यक्ति से जुड़ें जिससे लंबे समय से बात नहीं हुई है। अब तो अलग-अलग शहरों में सोशल मीडिया मीटिंग्स के जरिए भी इसकी पॉपुलैरिटी का जश्न मनाया जाता है।

होता है भरपूर मिसयूजः कोई चीज कितनी ही अच्छी क्यों न हो, उसका एक बुरा पहलू भी होता है। सोशल मीडिया भी इसका अपवाद नहीं है। अपने फॉलोवर्स बढ़ाने के उद्देश्य से अनेक कंटेंट क्रिएटर्स फेक न्यूज, क्लिक बेट (यानी वीडियो पर ऐसा थंब नेल लगाना, जिसका कंटेंट में जिक्र ही न हो) आदि का प्रयोग करते है। गलत धार्मिक या जातिगत आधारित कंटेंट से लोगों की भावनाओं को भी ठेस पहुंचाया जाता है। सोशल मीडिया पर झूठ बहुत बड़ा कारोबार है। इसे रोकने के लिए नियम और कानून अवश्य हैं, लेकिन इनका उल्लंघन भी काफी किया जाता है। साथ ही सरकारें और सामाजिक-राजनीतिक संगठन भी कंटेंट को नियंत्रित करने का प्रयास करते हैं। अनेक कंटेंट क्रिएटर्स को जेल की हवा तक खानी पड़ी है। दुखद है कि महिलाओं को भी सोशल मीडिया के जरिए तरह-तरह से परेशान किया जाता है। कभी धमकी देकर, कभी ब्लैक मेलिंग, कभी धोखेबाजी में फंसाकर तो कभी उनके द्वारा पोस्ट किसी कंटेंट के लिए ट्रोलिंग के जरिए उन्हें प्रताड़ित करने का ट्रेंड काफी बढ़ गया है। चिंताजनक यह है कि कई बार तो कुछ लोग इतने असहनशील हो जाते हैं कि किसी कंटेंट के लिए हत्या करने जैसा जघन्य अपराध भी करने से नहीं कतराते। इक्कीसवीं सदी के ढाई दशक गुजरने और तकनीक के इतने विकसित दौर में समाज की ऐसी संकीर्ण सोच, विचारणीय है। सोशल मीडिया दिवस का जश्न मनाना तब ही अच्छा और सार्थक लगेगा, जब हम प्रण लें कि महिलाओं की ऑनलाइन ट्रोलिंग नहीं करेंगे और उनके विरुद्ध किसी भी तरह की हिंसा और अपराध का विरोध करेंगे।

ना भूलें ये एटिकेट्सः सोशल मीडिया का पॉजिटिव यूज करने के लिए उसे ऑपरेट करते समय इसके कुछ एटिकेट्स को याद रखा जाना चाहिए। जैसे- ऑनलाइन बातचीत करते समय अपनी रियल आइडेंटिटी में रहें। किसी से फ्रेंडशिप करने के लिए पहले उसके विचारों को कंटेंट को समझें, लाइक करें, कमेंट करें फिर दोस्ती की तरफ आगे बढ़ें। ऑनलाइन चैटिंग करते समय विनम्र और पेशेवर लहजे का प्रयोग करें। ऑनलाइन कंटेंट साझा करते समय मूल स्रोत की विश्वसनीयता को परख लें। *

कविता
हरीश कुमार 'अमित'

सब्र

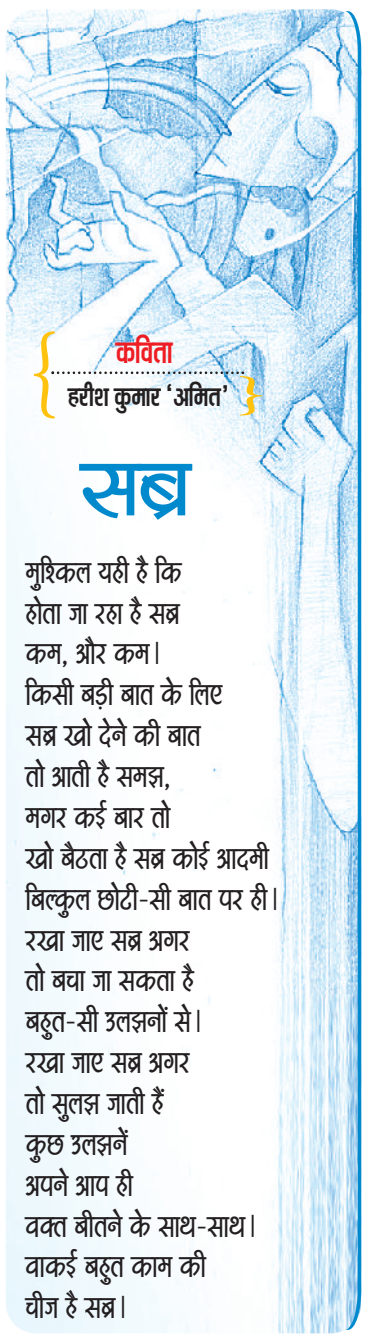

मुश्किल यही है कि
होता जा रहा है सब्र
कम, और कम।
किसी बड़ी बात के लिए
सब्र खो देने की बात
तो आती है समझ,
मगर कई बार तो
खो बैठता है सब्र कोई आदमी
बिल्कुल छोटी-सी बात पर ही।
रखा जाए सब्र अगर
तो बचा जा सकता है
बहुत-सी उलझनों से।
रखा जाए सब्र अगर
तो सुलझ जाती हैं
कुछ उलझनें
अपने आप ही
वक्त बीतने के साथ-साथ।
वाकई बहुत काम की
चीज है सब्र।

व्यंग्य / संदीप भटनागर

मुर्गे और खंजर

मुर्गों की किस्मत में मुर्गियां कम, खंजर ज्यादा होते हैं। ये खंजर कभी उनकी गर्दन पर होते हैं तो कभी पांव में बंधे। यह समझना आसान है कि दुनिया में पहले मुर्गा आया होगा फिर खंजर।

छुट्टी का दिन होने के नाते सामने वाले मैदान में चहल-पहल कुछ ज्यादा थी। बड़े से मैदान का एक कोना मुर्गेबाजों के लिए रिजर्व रहता है। सामान्य तौर पर यह जगह मुर्गा बाजार के रूप में जानी जाती है, जहां आम दिनों में मुर्गों की खरीद-फरोख्त होती है और छुट्टी के दिन खरीदे गए मुर्गों की जोर-आजमाइश।

लड़ने वाले मुर्गों की कीमत से कई गुना ज्यादा पैसे दांव पर लग जाते हैं।

मेरे लिए यह जानना रोचक था कि जिंदा रहते हुए लड़ते मुर्गे देश की जी.डी.पी. में कितना योगदान करते हैं? मुर्गा बाजार में खंजर बेचने वाला भी बैठता है। आम दिनों में उसके पास सामान्य खंजर होते हैं लेकिन मुर्गेबाजी वाले दिन उसके पास मुर्गों के पांव में बांधने वाले विशेष खंजर होते हैं। मुर्गों के मालिक से लेकर दांव लगाने वाले तक अपनी पसंद के मुर्गों के लिए एक से एक कातिल खंजर खरीदते हैं ताकि वो प्रतिद्वंद्वी मुर्गे को ज्यादा से ज्यादा चोटिल कर मुकाबला जीत सके।

जी-जान से लड़ने वाले मुर्गे यह नहीं जानते कि जिबह तो हारने वाले और जीतने वाले दोनों मुर्गों को होना ही है। किसी को आज तो किसी को कल। इस मुकाबले में लड़ाने वालों की अपनी साख और प्रतिष्ठा दांव पर लगी होती है और तमाशबीनों का पैसा, जबकि लड़ने वाले मुर्गों की अपनी जान दांव पर लगी होती है। पूरे तमाशे में खंजर बेचने वाले के खंजरों की मारक क्षमता भी दांव पर लगती है। जितना मारक खंजर उतनी ज्यादा डिमांड।

बावजूद इसके इस पूरे खेल में हमेशा खंजर बेचने वाला ही फायदे में रहता है। वह खंजर हारने वाले को भी बेचता है, जीतने वाले को भी बेचता है और दांव लगाने वालों को भी। मुर्गेबाजी का इतिहास सिंधु घाटी सभ्यता से भी पुराना है। इंसान ने अपने मनोरंजन के लिए मुर्गों को लड़ना सिखाया था। मानव सभ्यता के विकास के साथ मुर्गेबाजी के इस तरीके को क्रूर मानते हुए इसे असभ्य करार दे दिया गया। विकसित होती दुनिया में इसे अब नए ढंग से खेला जाने लगा। नवीन खेल में मुर्गों को मुर्गे होने का अहसास नहीं होने दिया जाता। लगातार उन्हें ऐसा महसूस कराया जाता है कि तुम्हारे अस्तित्व के लिए तुम्हें लड़ना जरूरी है। नवीन खेल में कमजोर मुर्गों पर भी दांव लगाया जाने लगा, जिन्हें विकसित भाषा में इन्वेस्टमेंट कहा जाने लगा। उनके माध्यम से आधुनिक खंजरों का परीक्षण कर दुनिया में दूसरे मुर्गों को बेचा जाने लगा। कुछ मुर्गों को अत्याधुनिक खंजरों से लैस कर इतना शक्तिशाली बना दिया गया कि वो अब अपने मालिक के इशारे पर लड़ने के बहाने तलाश कर किसी भी मुर्गे से लड़ने को तैयार रहते हैं।

खंजर के सौदागरों ने पूरी दुनिया को मुर्गेबाजी का अखाड़ा बना दिया। खेल में रोज हलाक होने वाले जानवर नहीं इंसान हैं इसलिए इस नए खेल पर दुनिया का कोई भी पशु क्रूरता अधिनियम लागू नहीं होता।

इस नए खेल में आज भी पुराने खेल के कुछ नियम लागू हैं। यह खेल अभी भी मालिकों की प्रतिष्ठा और ईगो के लिए खेला जा रहा है। इस खेल में आज भी खंजर के सौदागर नफे में हैं। वे कमजोर और शक्तिशाली दोनों मुर्गों को अपने खंजर बेच कर मुनाफा पीट रहे हैं। आज भी जिंदा लड़ते मुर्गे खंजर बनाने वाले मालिकों के देश की जी.डी.पी. को बढ़ा रहे हैं और जो मुर्गे लड़ नहीं रहे हैं, वो अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। *

लघुकथा
अशोक वाधवाणी

दिव्यांग का सम्मान

आलोक किसी काम के सिलसिले में एक जान-पहचान वाले दंपती के घर पहुंचे। औपचारिक अभिवादन और चाय-पानी के बाद उनसे बातचीत में व्यस्त हो गए। इतने में छठी कक्षा में पढ़ने वाला उनका बेटा बाहर से घर के अंदर आया। वह सीधे ड्रॉइंग रूम में पहुंचा जहां आलोक उसके मम्मी-पापा के साथ बैठे थे। आते ही उसने अपनी मां के हाथ में दो सौ रुपए का नोट पकड़ाते हुए बोला, 'मम्मी, वो जो पड़ोस में अंधी खुशबू दीदी रहती हैं न, उन्होंने ये पैसे दिए हैं।'

किसी दिव्यांग के बारे में इस तरह के बोल सुनकर आलोक को बहुत बुरा लगा। उसने बच्चे को प्यार से समझाया, 'देखो बेटा, किसी की शारीरिक कमजोरी का ऐसे मजाक नहीं उड़ाते हैं। विकलांग लोगों को आजकल दिव्यांग कहकर पुकारा जाता है, यह एक पॉजिटिव सोच की निशानी है। संबोधन बदलने के बाद भी लोगों के व्यवहार में कोई सुधार नहीं हुआ है, जो गलत बात है। उसके माता-पिता ने बड़े चाव से अपनी बेटी का सुंदर सा नाम रखा होगा खुशबू! बेटा, तुम्हें हर किसी दिव्यांग का नाम पूरे मान-सम्मान के साथ लेना चाहिए। सिर्फ खुशबू दीदी भी तो कह सकते थे।'

'हमारे घर में सभी उन्हें अंधी खुशबू ही तो कहते हैं।' बच्चे ने बड़े भोलेपन से बताया।

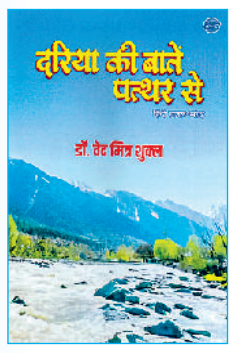

आलोक ने दंपती की ओर देखा, वे दोनों उससे नजरें नहीं मिला पा रहे थे। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

बहुरंगी गजलों का कोलाज

वेद मित्र शुक्ल दिल्ली विवि में अंग्रेजी पढ़ाते हैं लेकिन वे अंग्रेजी के साथ ही हिंदी साहित्य में रचनात्मक रूप से काफी सक्रिय हैं। इसका प्रमाण हैं, कई विधाओं में प्रकाशित उनकी मौलिक और संपादित ढेरों पुस्तकें। कुछ समय पहले उनका दूसरा गजल संग्रह 'दरिया की बातें पत्थर से' प्रकाशित हुआ है। इसमें उनकी गजलगोई के कई आयाम देखे जा सकते हैं। समय, समाज और जीवन के बेशुमार स्याह-श्वेत पहलू इन गजलों में उजागर हुए हैं। कहीं वे बढ़ते शहरीकरण के चलते बिखरते रिश्तों की टीस बयां करते हैं, *'गांवों से आ बसे शहर में खोए हैं सब रिश्ते नाते/गीतों में ही देवर-भाभी, जीजा-साली होली खेलें।'* तो कहीं समाज में छीजती जा रही मनुष्यता को लेकर वह अपनी चिंता ऐसे प्रकट करते हैं, *'तिल रखने की जगह नहीं पर/ अच्छे लोग बहुत ही कम हैं।'* इसी तरह वे राजनीतिज्ञों के चारित्रिक अवमूल्यन को बेबाकी से बयां करते हैं, *'गांधी का इक दौर रहा था/घिन आती है अब खद्दर से।'* यानी जीवन के लगभग हर पक्ष पर वे गहरी नजर रखते हैं और अपने जज्बातों को बयां करने के लिए सटीक तासीर के शब्दों को गजल में पिरो देते हैं।

कह सकते हैं यह किताब वेद मित्र शुक्ल की बहुरंगी गजलों के कोलाज जैसी है। *

पुस्तकः दरिया की बातें पत्थर से (गजल संग्रह)
लेखकः डॉ. वेद मित्र शुक्ल, **मूल्यः** 290 रुपए,
प्रकाशकः सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली

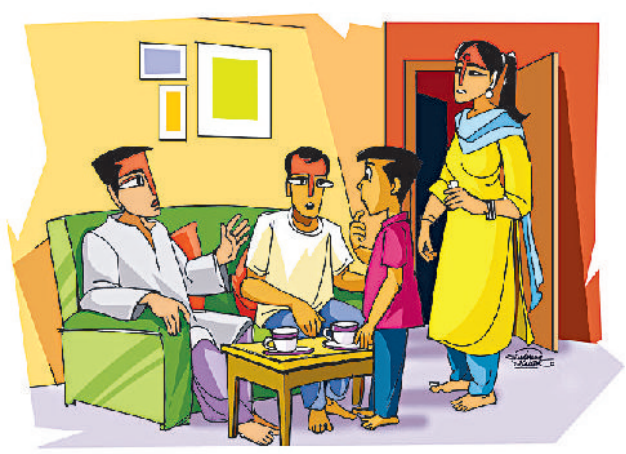

भारत की विविधतापूर्ण संस्कृति का अनूठा केंद्र है अलाप्पुझा। बैकवार्टर्स पर्यटन, यहीं नहीं पूरे केरल की पहचान है। यहां का मोहक प्राकृतिक सौंदर्य, इसकी ऐतिहासिक-सांस्कृतिक विशिष्टता में चार चांद लगा देता है। यही वजह है कि मानसून में इस जगह का आनंद लेने के लिए दुनिया भर से पर्यटक आते हैं।

इस मानसून में घूम आएं भारत के वेनिस अलाप्पुझा

{ टूरिस्ट स्पॉट / लोकमित्र गौतम }

कोई शहर छोटा हो या बड़ा या चाहे कोई कस्बा ही क्यों न हो, हर शहर, हर महानगर और हर कस्बे की अपनी एक निजी पहचान, एक निजी विशेषता होती है, जो हर दूसरी जगह से अलग होती है। यही उस जगह की पहचान होती है, उसका लैंडमार्क कहलाता है। भारत के वेनिस कहे जाने वाले शहर अलाप्पुझा को 'बैकवाटर्स का स्वर्ग' कहा जाता है। यही यहां का लैंडमार्क माना जाता है।

घूमने के लिए बारिश है बेस्ट: भारत दुनिया के उन गिने-चुने देशों में से एक है, जहां हर मौसम के लिए विशिष्ट पर्यटन क्षेत्र को मुफीद माना जाता है। अगर भारत के पहाड़, गर्मियों में घूमने के लिए स्वर्ग हैं और भारत के समुद्रतट सर्दियों की गरमाइश भरी पसंदीदा जगहें हैं तो मानसून में घुमक्कड़ी का लुत्फ लेने के लिए केरल, पर्यटन का स्वर्ग कहा जाता है। लेकिन इस केरल में भी एक खास पर्यटन क्षेत्र है, अलेप्पी या अलाप्पुझा जिसे भारत के बैकवाटर्स का स्वर्ग कहा जाता है। इसे पूर्व का वेनिस भी कहते हैं। यहां के हाउसबोट (कुट्टनाड क्षेत्र में) पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हैं।

इसलिए अलाप्पुझा है विशिष्ट: केरल में यूं तो पूरे प्रदेश में ही बैकवाटर्स के अदभुत नजारे हैं- झीलें, नहरें, नदी तंत्र और तटीय लैगून ये सब मिलकर केरल को एक अद्भुत जल प्रदेश बनाते हैं। लेकिन केरल में भी जिस शहर को बैकवाटर्स स्वर्ग के नाम से जानते हैं, वो है- अलेप्पी या अलाप्पुझा। आज के अलाप्पुझा को अंग्रेजों के जमाने में अलेप्पी कहा जाता था। यह केरल के ऐतिहासिक नगरों में से एक है और इसे भारत के वेनिस होने का दर्जा हासिल है। अलेप्पी भारत के बैकवाटर्स का स्वर्ग माना जाता है। इसकी प्रसिद्धि यहां की सुंदर झीलों और जलमार्गों तक ही सीमित नहीं है बल्कि इसका एक गहरा ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व भी है।

भौगोलिक स्थिति भी है अलग: अलेप्पी की भौगोलिक स्थिति भी इसे भारत का एक विशिष्ट शहर बनाती है। यह ऐतिहासिक शहर अरब सागर के किनारे स्थित है और इसके आस-पास की जमीन नदियों, नहरों, लैगून और झीलों से अटी पड़ी है। इस क्षेत्र को पहले कुट्टनाड के नाम से भी जाना जाता था, जो चावल की खेती और अपने जल परिवहन के लिए सदियों से प्रसिद्ध रहा है।

कम नहीं ऐतिहासिक महत्ता: प्राचीनकाल में यह क्षेत्र केरल के चेर साम्राज्य के अधीन था, तब यहां के राजा जलमार्गों को नियंत्रण करते थे, जो व्यापार के मुख्य साधन थे। दक्षिण भारत के अन्य भागों से मसालों, नारियल और अन्य उत्पादों का आदान-प्रदान इन्हीं जलमार्गों के जरिए होता था। लेकिन 18वीं और 19वीं शताब्दी में अलेप्पी एक प्रमुख बंदरगाह शहर के रूप में विकसित हुआ। जब केरल के प्रमुख बंदरगाह कोंडुगल्लरू में बाढ़ और भू-स्खलन के कारण व्यापार पूरी तरह से बाधित हुआ, तब तत्कालीन त्रावणकोर के राजा मार्तंड वर्मा और उनके उत्तराधिकारियों ने अलेप्पी को नया व्यापारिक केंद्र बनाने का निर्णय लिया। राजा मार्तंड वर्मा और उनके दीवान वेल्लुथंपी की इसमें निर्णायक भूमिका थी। उन्होंने यहां कृत्रिम नहरों और जलमार्गों का जाल बिछवाया ताकि नौकाओं और व्यापारिक जहाजों को यहां प्रवेश में सुविधा हो। यही वह समय था, जब अलेप्पी को भारत का वेनिस कहा जाने लगा। अलेप्पी धीरे-धीरे कपड़ों, मसालों, नारियल और चावल का प्रमुख निर्यातक केंद्र बन गया।

पहचान हैं अनोखी हाउसबोट्स: बैकवाटर्स यानी झीलों, नहरों और समुद्र से बने जलमार्ग, यही तो अलेप्पी की आत्मा है। यहां की प्रमुख झील वेंबनाड झील है, जो भारत की सबसे बड़ी मीठे पानी की झीलों में से एक है। जब अलेप्पी का धीरे-धीरे बैकवाटर्स पर्यटन केंद्र के रूप में विकास होने लगा, तो यहां बड़े पैमाने पर पारंपरिक हाउसबोट, जिन्हें मलयालम भाषा में कैट्टुवल्लम कहा जाता है, विकसित होने लगे। ये कैट्टुवल्लम एक जमाने में बड़ा सा जहाज हुआ करता था, जिसने बाद में आधुनिक हाउसबोट का रूप ले लिया। आज अलेप्पी की पहचान इन्हीं हाउसबोट की वजह से है। अलेप्पी के ये हाउसबोट लकड़ी, नारियल की रस्सियों और केले के पेड़ों के पारंपरिक साधनों से बने होते हैं। इनमें अद्भुत स्थानीय कलाकारी को विभिन्न कलाकृतियों के रूप में देखा जा सकता है। अपनी इन्हीं खूबियों के कारण आज अलेप्पी भारत में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लग्जरी पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हुआ है।

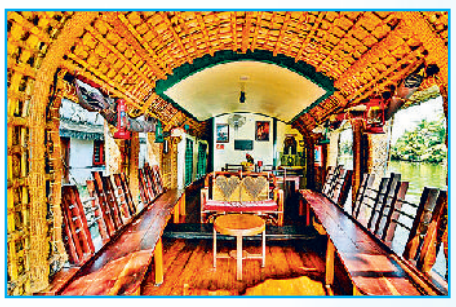

टूरिस्ट सेंटर के रूप में विकसित: सन 1990 के दशक में अलेप्पी को नए सिरे से एक बैकवाटर्स पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया गया। केरल की सरकार और यहां के स्थानीय लोगों ने पारंपरिक नावों को पर्यटकों के लिए हाउसबोट में बदला और आज अलेप्पी हाउसबोट टूरिज्म, आयुर्वेदिक स्पा, बर्ड वाचिंग और फिशिंग विलेज विजिट जैसी पर्यटन गतिविधियों के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है। अलेप्पी के बैकवाटर्स का अनुभव केवल एक सौंदर्य नहीं बल्कि स्थानीय जीवनशैली, भोजन, जल परिवहन और प्रकृति के संतुलन को महसूस कराने वाली संस्कृति है। इसीलिए अलेप्पी को केरल के बैकवाटर्स का स्वर्ग कहते हैं। *

होता है हर वर्ष बोट्स रेस का आयोजन

हर साल अगस्त माह में यहां पुनमड़ा झील में नेहरू ट्रॉफी बोट रेस आयोजित होती है, जिसमें सैकड़ों लोग चुंदवल्ली यानी सांप जैसी मुंह वाली लंबी नावों पर सवार होकर रेस में शामिल होते हैं। यह रेस केवल खेल नहीं होती बल्कि केरल की समृद्ध संस्कृति का एक अनोखा उत्सव है। यह रेस 1952 में भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की यहां यात्रा के दौरान आरंभ हुई थी।

हाल में ही कश्मीर स्थित चिनाब नदी पर बने चिनाब ब्रिज की डिजाइन और तकनीकी विशेषताओं ने इसे दुनिया भर में चर्चा का विषय बना दिया है। इस ब्रिज की विशेषताओं पर एक नजर।

इंजीनियरिंग का नायाब नमूना चिनाब ब्रिज

{ अचीवमेंट / सुनील कुमार महला }

हाल ही में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर में नवनिर्मित चिनाब पुल का उद्घाटन किया। यह (चिनाब पुल) दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल है।

ब्रिज की खासियतें: चिनाब ब्रिज स्टील और कंक्रीट से बना आर्च ब्रिज है, जो रियासी जिले के बक्कल और कौरी गांवों को जोड़ता है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह नदी के तल से 359 मीटर (लगभग 1,178 फीट) ऊंचा है। यानी यह पेरिस के मशहूर एफिल टॉवर से 35 मीटर और दिल्ली की कुतुब मीनार से करीब 5 गुना ऊंचा यानी कि 287 मीटर ऊंचा है। यह 266 किमी प्रति घंटे तक की हवा की गति का सामना कर सकता है। यह ब्रिज भूकंपीय क्षेत्र पांच में स्थित है इसलिए इसे इतना मजबूत बनाया गया है कि रिक्टर स्केल पर 8 तीव्रता के भूकंप को भी सहने में सक्षम है। यही नहीं इसे 40 टन टीएनटी के बराबर विस्फोट सहने में सक्षम बनाया गया है। इसमें ऐसे खास जंगरोधपेंट का इस्तेमाल किया गया है, जो इसे 20 साल तक जंग से बचाएगा। पुल में ऐसी तकनीक स्थापित की गई है कि कोई भी खतरा होने पर वार्निंग अलार्म खुद ही बजने लगेगा। पुल में 112 सेंसर लगाए गए हैं, जो हवा की गति, टेंपरेचर और कंपन आदि की जानकारी देंगे।

चिनाब ब्रिज : दुनिया का सबसे बड़ा आर्च ब्रिज

सवा सौ साल है उम्र: 1315 मीटर लंबा यह ब्रिज, उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेलवे लिंक (272 किमी. लंबा) प्रोजेक्ट का हिस्सा है। इस पुल का निर्माण 1486 करोड़ की लागत से किया गया है। इस ब्रिज की नींव 2003 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने रखी थी। इसके निर्माण में 22 साल लगे और इसकी अनुमानित उम्र 120-125 साल है।

निर्माण में प्रयुक्त सामग्री: जानकारी के मुताबिक, इस ब्रिज को बनाने में 28,660 से 30,000 मीट्रिक टन स्टील का इस्तेमाल किया गया है। इसके साथ ही 46,000 क्यूबिक मीटर कंक्रीट का भी यूज हुआ है। इसके निर्माण में 6 लाख से ज्यादा नट बोल्ट भी यूज किए गए हैं। यह भी काबिले-तारीफ है कि इस पुल को बनाने में नदी के प्रवाह में अवरोध नहीं पहुंचाया गया है, नदी में कोई पिलर नहीं लगाया गया है, बल्कि इसे आर्च तकनीक से बनाया गया है। इस पुल को किसी हमले से बचने के लिए ब्लास्ट प्रूफ स्टील से तैयार किया गया है। इस ब्रिज के निर्माण में डीआरडीओ की अचूक प्लानिंग शामिल रही है। इसे बनाने के लिए उत्तर रेलवे के साथ कोंकण, अफकान और केआरसीएल ने काम किया। इसके साथ ही भारतीय भौगोलिक सर्वेक्षण जैसी संस्थाएं भी जुड़ी रहीं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इसमें आईआईटी रुड़की और आईईटी दिल्ली ने भी अपना योगदान दिया है।

कई तरह से महत्वपूर्ण: यह अनोखा पुल न सिर्फ कश्मीर घाटी को पूरे भारत से जोड़ेगा, बल्कि क्षेत्र में व्यापार, पर्यटन और औद्योगिक विकास को भी नई गति देगा। चिनाब ब्रिज, दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज है। चिनाब रेलवे ब्रिज को बनाने में भले ही 22 साल लगे हों, लेकिन अब इसके शुरू होने के बाद कश्मीर घाटी और जम्मू के बीच सीधा रेल रास्ता बन जाएगा। यह पहली बार होगा जब लोग कन्याकुमारी से सीधे ट्रेन के जरिए कश्मीर घाटी तक जा सकेंगे। यह ब्रिज भी अपने आप में एक आकर्षक टूरिस्ट डेस्टिनेशन बन गया है। इससे देश की सैन्य ताकत को भी कहीं न कहीं सपोर्ट मिलेगा, क्योंकि बर्फबारी के दिनों में कई बार कश्मीर से संपर्क कट जाता था। साथ ही कई क्षेत्रों में आपात स्थिति में सेना को अपनी मूवमेंट में इस बर्फबारी के समय काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। अब चिनाब रेलवे ब्रिज के निर्माण से हर मौसम में कश्मीर पहुंचना सेना के लिए आसान हो जाएगा। साथ ही जम्मू-कश्मीर आने वाले पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र होगा यह अनोखा चिनाब ब्रिज। *

पास में है अनोखा अंजी ब्रिज

6 जून 2025 को ही चिनाब पुल का उद्घाटन करने के बाद प्रधानमंत्री ने इसी रेल ट्रैक पर बने अंजी ब्रिज का भी लोकार्पण किया। यह देश का पहला ऐसा रेलवे ब्रिज है, जो केबल स्टेंड तकनीक पर बना है। रिपोर्ट्स के अनुसार यह पुल नदी तल से 331 मीटर की ऊंचाई पर बना है। 1086 फीट ऊंचा एक टावर इसे सहारा देने के लिए बनाया गया है, जो करीब 77 मंजिला बिल्डिंग जितना ऊंचा है। यह ब्रिज अंजी नदी पर बना है, जो रियासी जिले के कटरा को बनिहाल से जोड़ता है। चिनाब ब्रिज से इसकी दूरी महज 7 किमी है। इस पुल की लंबाई 725.5 मीटर है। इसमें से 472.25 मीटर का हिस्सा केबल्स पर टिका हुआ है।

शारीरिक-आर्थिक सेहत सुधारे सेब

{ उपयोगी पेड़ / वीना गौतम }

भारत में सेब अभिजात्य फलों में से एक माना जाता है। डॉक्टर भी हर किसी को, रोगों से बचने के लिए रोज एक सेब खाने की सलाह देते हैं। सेब के स्वास्थ्य संबंधी फायदों की वजह से इसकी मांग हमेशा, हर मौसम में बनी रहती है। यही कारण है कि सेब प्रायः महंगा ही बिकता है। जाहिर है, सेब की खेती आर्थिक दृष्टि से किसानों के लिए भी बहुत फायदेमंद होती है।

कहां होती है सेब की खेती: भारत में सेब के पेड़ मुख्यतः पर्वतीय और ठंडी जलवायु वाले इलाकों में उगते हैं। लेकिन जलवायु परिवर्तन और कृषि क्षेत्र में हुए तमाम तकनीकी उन्नति के कारण अब सेब मैदानी राज्यों में भी किसानों द्वारा उगाया जा रहा है। देश में पारंपरिक रूप से सेब का उत्पादन हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड और सिक्किम जैसे राज्यों के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सदियों से होता रहा है। लेकिन अब हिमालय से सटे मैदानी राज्यों जैसे- पंजाब, हरियाणा और मध्य प्रदेश के कुछ जिलों में भी सेब की कुछ प्रजातियां उगाई जा रही हैं।

सेहत के लिए गुणकारी: सेब में कई तरह के विटामिंस, मिनरल्स, एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। यह अनेक रोगों से बचाता है और शरीर को पोषण देता है। कहावत भी है कि रोज एक सेब खाइए, रोगों से दूर रहिए।

किसानों के लिए फायदेमंद: सेब एक नकदी फसल है। यह किसान के लिए ही आर्थिक सहायता नहीं पहुंचाता, बल्कि आम कृषि मजदूरों के लिए भी रोजगार के अवसर पैदा करता है। सेब की बागवानी में पौधा रोपण से लेकर उसकी कटाई, छंटाई, ग्रेडिंग, पैकिंग और परिवहन तक में कई लोगों को रोजगार मिलता है।

अनुमानित आमदनी: सेब का बगीचा 5 से 7 साल में फल देना शुरू कर देता है। सेब के एक पेड़ से किसान को हर साल 100 से 200 किलो फल मिल जाते हैं। औसतन एक हेक्टेयर सेब का बगीचा हर साल लगभग 15 टन उपज देता है, जिससे किसान को सारे खर्च निकालकर 10 से 15 लाख रुपए तक का फायदा हो सकता है। लेकिन इसके लिए पहले किसान को हर साल सेब के बागीचे में 4 से 5 लाख रुपए खर्च करने पड़ते हैं। बाजार चाहे कितना भी डाउन हो, सेब की खेती किसानों को फायदा ही पहुंचाती है। *

बुरे सपनों को दूर रखे लकी चार्म ड्रीम कैचर

{ रोचक / शिखर चंद जैन }

आपने गिफ्ट शॉप, ऑनलाइन शॉपिंग साइट्स या छोटे बच्चों के पालने पर लगे ड्रीम कैचर्स जरूर देखे होंगे। यह एक छोटा सा वृत्ताकार फ्रेम (हूप) होता है, जिसमें मकड़ी के जाल की तरह धागों से बुनी हुई आकृति होती है, कुछ मोती होते हैं और पंख (फेदर्स) लटके हुए होते हैं। यह सिर्फ सजावट की वस्तु नहीं है, इसे वास्तुशास्त्र में भी महत्वपूर्ण माना जाता है।

कैसे हुई शुरुआत: ड्रीम कैचर का आविष्कार करने का श्रेय अमेरिकी जनजाति ओजिब्वे (चिप्पेवा) के लोगों को जाता है। इस जनजाति के लोग कनाडा और नॉर्थ अमेरिका के कुछ क्षेत्रों में रहते हैं। ओजिब्वे जनजाति के लोगों की मान्यता थी कि उनके सभी बच्चों और बड़ों की सुरक्षा असिबाइकाशी नामक एक रहस्यमयी स्पाइडर वूमेन करती है। जब इस जनजाति के लोगों की आबादी बढ़ने लगी और वे दूर-दूर तक जाकर रहने लगे, तो असिबाइकाशी ने स्पाइडर वेब के साथ एक जादुई यंत्र/ताबीज तैयार किया और अपने-अपने परिवार के सदस्यों की सुरक्षा के लिए ओजिब्वे समुदाय की महिलाओं को भी यह यंत्र बनाना सिखाया। उस यंत्र को ही आज वास्तु और फेंगशुई की दुनिया में 'ड्रीम कैचर' के नाम से जाना जाता है।

तेजी से हुआ पॉपुलर: ओजिब्वे जनजाति के लड़के और लड़कियों के विवाह में अन्य वस्तुओं के साथ ड्रीम कैचर्स का भी आदान-प्रदान किया जाने लगा। नतीजतन ड्रीम कैचर का प्रचलन दूसरी जनजातियों, जैसे लकोटा जनजाति आदि में भी बढ़ने लगा। धीरे-धीरे ड्रीम कैचर विभिन्न अमेरिकी जातियों/समुदायों के साथ-साथ अन्य सभ्यताओं-संस्कृतियों में भी लोकप्रिय होने लगा।

ड्रीम कैचर के पार्ट्स: ड्रीम कैचर में मुख्य रूप से एक वृत्त, धागों से बुना जाल, बीड और फीदर्स होते हैं। हर तत्व का अपना महत्व और प्रतीक है।

जीवन चक्र का प्रतीक वृत्त (हूप): यह हमारे जीवन चक्र का प्रतीक माना जाता है। यह भी मान्यता है कि यह वृत्त सूर्य और चंद्र का प्रतिनिधित्व करता है।

बुरे सपनों को ट्रैप करता जाल (वेब): जैसे मकड़ी अपने जाल में शिकार फंसा लेती है, वैसे ही ड्रीमकैचर का वेब बुरे सपनों को जाल में फंसा लेता है। बीचों-बीच जो छेद होता है, वह अच्छे सपनों के प्रवेश द्वार की तरह काम करता है।

सपनों की सीढ़ी पंख (फेदर): ड्रीम कैचर में लगे पंख को अच्छे सपनों का वाहक या अच्छे सपनों की सीढ़ी माना जाता है। आजकल पक्षियों के पंख के स्थान पर जेमस्टोन भी लगाए जाते हैं।

मकड़ी और बुरे सपने हैं बीड: ड्रीम कैचर के बीच मे लगा सिंगल बीड मकड़ी का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि इसके इर्द-गिर्द लगे मल्टीपल बीड्स पकड़े गए बुरे सपनों के प्रतीक होते हैं।

लकी चार्म बना ड्रीम कैचर: आज दुनिया के कई देशों में ड्रीम कैचर को माइंडफुलनेस, सुरक्षा और सकारात्मकता के प्रतीक के रूप में सजाया जाता है। लोगों के लिए एक लकी चार्म है ड्रीम कैचर। *

बारिश के मौसम में रिमझिम फुहारों से हर किसी का मन खिल उठता है। इस सुहाने मौसम में काले-काले बादलों से झरती बारिश की बूंदों से भीगी कई यादगार हिंदी फिल्में और कर्णप्रिय गीत कभी भुलाए नहीं जा सकते। ऐसी ही कुछ फिल्मों और सदाबहार गानों पर एक नजर।

फिल्मों-गीतों को खूब भिगोया बारिश की रिमझिम फुहारों ने

{ सिने जगत / चेतना झा }

अपने शुरुआती दौर से ही हिंदी सिनेमा ने बरसात के मौसम की खूबसूरती को पर्दे पर तरह-तरह से पेश किया है। कई फिल्मों के नाम और उनकी कहानी के प्लॉट में बरसात शामिल रही है तो अनेक फिल्मों में बारिश से जुड़े गीतों ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। उम्मीदों को बरसती बूंदों के जरिए कभी पर्दे पर दिखाया गया है तो विरह के गीत के लिए भी सावन-भादो का सहारा लिया गया है। खासतौर पर प्रेमी जोड़ों को भिगोने वाले रोमांस के लिए बरसात का मौसम बॉलीवुड में सबसे मुफीद माना जाता रहा है।

पर्दे के बाहर मचलता मन: कभी मशीनी बारिश में शिफॉन की साड़ी पहन कर अपने नृत्य से नायिका के गीत चर्चित हुए तो कभी वास्तविक बारिश में मुंबई की सड़कों पर 'रिमझिम गिरे सावन' जैसे यादगार गीत फिल्माए गए। आज सोशल मीडिया के दौर में बहुत से यंगस्टर्स ऐसे गीतों को रिक्रिएट कर रील्स बनाने के लिए खूब उतावले दिखते हैं। यही तो जादू है बॉलीवुड फिल्मों की बारिश का। नायक-नायिकाओं की प्यार भरी तकरार, इंकार और फिर इजहार की अनगिनत दास्तानें टिप-टिप बारिश के बीच इतने दिलकश अंदाज में फिल्माई जाती रही हैं कि रियल लाइफ में भी कुछ लोग इन्हें खुद अनुभव करने के लिए मचल उठते हैं।

'आज रपट जाएं' गाने के एक दृश्य में अमिताभ और स्मिता पाटिल

गीतों में उम्मीद-मिलन-विरह: 'पुरवा के झोंकवा से आयो रे संदेसवा कि चल आज देसवा की ओर' हो या 'घनन-घनन घिर आए बदरा...' फिल्मों में भी मानसूनी बादल, उम्मीद-उत्साह का संचार भरपूर करते हैं। 'तुम्हें गीतों में ढालूंगा, सावन को आने दो...' 'मौसम है आशिकाना, ऐ दिल कहीं से उनको ऐसे में ढूंढ लाना...' मिलन और उम्मीद की बूंदों से भीगे ऐसे बेशुमार गाने सिनेप्रेमियों के पसंदीदा गीतों में शामिल हैं। फिल्मों में बारिश का सावन का महीना, न केवल मिलन के गीत गाता है, बल्कि विरह की तान भी छेड़ता है। याद आता है, मोहम्मद रफी का वह गीत, 'अजहू न आए बालमा, सावन बीता जाए।'

बरसात पर केंद्रित फिल्में: कई फिल्में तो बरसात को केंद्र में रखकर ही फिल्माई गईं। कई फिल्मों के नाम ही बरसात और बरसात के प्रमुख महीने सावन से जुड़े हुए हैं। शुरुआत 1945 में आई मोतीलाल और शांता आप्टे की फिल्म 'सावन' से हुई। 1949 में आई राजकपूर की फिल्म 'बरसात' ने तो तय कर दिया कि बरसात फिल्मों की सफलता का अचूक मंत्र है। बाद में बरसात नाम की दो फिल्में और बनीं। इन दोनों के नायक बॉबी देओल थे। 1960 में भारत भूषण और मधुबाला की 'बरसात की रात' आई। 1981 में अमिताभ बच्चन और राखी की हिट जोड़ी से सजी 'बरसात की एक रात' रिलीज हुई। 'बरखा बहार' फिल्म में भी बारिश का रोमांटिक अंदाज नजर आया था। 'मानसून वेडिंग' नाम से भी एक फिल्म काफी चर्चित हुई थी। 'तुम मिले', 'लगान', 'आया सावन झूम के', 'प्यासा सावन', 'सावन की घटा', 'सोलहवां सावन', 'सावन के गीत', 'प्यार का पहला सावन', 'सावन का महीना', 'सावन को आने दो', 'सावन-भादो', इस श्रंखला में कई फिल्में शामिल हैं।

ये गीत भी हैं यादगार: 'प्यार हुआ इकरार हुआ ...' राजकपूर और नरगिस का बारिश के दौरान एक छतरी के नीचे चलते हुए यह गीत गाना, उस जमाने के रोमांस की शायद पराकाष्ठा ही थी। फिल्म 'श्री 420' का यह गाना आज भी मन को प्यार की भावना से भिगो देता है। बरसात, प्रेमियों के लिए कितनी कीमती होती है, यह सरेआम बयां किया फिल्म 'रोटी कपड़ा और मकान' के एक गीत में जीनत अमान ने। जब वो दो टकिए की नौकरी के पीछे लाखों का सावन कुर्बान होने की शिकायत करती हैं। यह जीनत के इस गाने से जाहिर होता है कि 'हाय-हाय ये मजबूरी, ये मौसम और ये दूरी' आज भी कई लोगों को नून-तेल-हल्दी के फेर में गुम हो रहे रोमांस की याद दिला जाता है। इसी तरह मधुबाला और भारत भूषण पर फिल्माया गाना 'जिंदगी भर नहीं भूलेगी वो बरसात की रात' को भी नहीं भुलाया जा सकता है। इसी तरह 'चांदनी' फिल्म का गाना 'लगी आज सावन की फिर वो झड़ी है', आज भी दिल को तरंगित कर जाता है।

माना गया हिट फॉर्मूला: दर्शकों द्वारा बारिश पर फिल्माए गीतों को पसंद किए जाने की वजह से कई फिल्मों में तो हिट फार्मूले की तरह बारिश के गाने को फिल्मों में जबर्दस्ती शामिल किया गया। याद कीजिए अमिताभ बच्चन और स्मिता पाटिल पर फिल्माया गया 'नमक हलाल' फिल्म का गाना, 'आज रपट जाएं तो हमें न उठइयो..', जो सुपरहिट रहा था। इसी तरह फिल्म 'गुरु' में 'बरसो रे मेघा...' गाने पर ऐश्वर्या राय ने बेहद दिलकश नृत्य किया था। बरसात के सीन पर फिल्माए ऐसे फेमस गीतों में 'दिल तो पागल है' का गाना 'कोई लड़की है, जब वो हंसती है, बारिश होती है...' फिल्म 'मोहरा' का गाना 'टिप-टिप बरसा पानी', 'फना' का गाना 'ये साजिश है बूंदों की' भी शामिल हैं। इसी कड़ी में याद आता है '1942 ए लव स्टोरी' का गाना 'रिम-झिम रिम-झिम, रुम-झुम रुम-झुम...' कहने का सार है कि बारिश की फुहारों ने हिंदी फिल्मों और गानों को खूब भिगोया है। *